NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 170 लखनऊ, मंगलवार 10 फरवरी 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने किया एलओसी का दौरा, पाकिस्तान में मचा हड़कंप

एजेंसी। दिल्ली। सेना प्रमुख ने जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर मुख्यालय पहुंचकर आतंकवाद रोधी बलों की तैयारियों का जायजा लिया। राजौरी और पुंछ जैसे कठिन इलाकों में सक्रिय इकाइयों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि सतर्कता में जरा भी ढिलाई मंजूर नहीं। जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य एक बार फिर सख्त संदेश दे रहा है कि सीमा पार से चल रही साजिशें थमी नहीं हैं, लेकिन जवाब भी अब ढीला नहीं है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अग्रिम इलाकों का दौरा कर आतंकवाद रोधी अभियानों, जमीनी हालात और सैनिक तैयारियों की सीधी समीक्षा की। उनका यह

दौरा केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि साफ संकेत है कि अब हर हरकत पर नजर और हर खतरे पर वार की नीति लागू है।सेना प्रमुख ने जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर मुख्यालय पहुंचकर आतंकवाद रोधी बलों की तैयारियों का जायजा लिया। राजौरी और पुंछ जैसे कठिन इलाकों में सक्रिय इकाइयों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि सतर्कता में जरा भी ढिलाई मंजूर नहीं। उन्नत तकनीक के इस्तेमाल, एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और त्वरित कार्रवाई पर जोर दिया गया। सेना ने यह भी साफ किया कि जवानों की निष्ठा और पेशेवर रवैया ही इस लड़ाई की असली ताकत है।हम आपको यह भी बता दें कि पिछले सप्ताह ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जम्मू में उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर पूरे तंत्र को मिशन मोड में काम करने का निर्देश दिया। पिछले दो हफ्तों में कठुआ, उधमपुर और किश्तवाड़ में कई मुठभेड़ों के बाद जैश ए मोहम्मद से जुड़े चार पाकिस्तानी आतंकवादियों का मारा जाना बताता है कि सुरक्षा बल अब खोज कर वार कर रहे हैं। बैठक में सीमा पार से ड्रोन गतिविधियों, घुसपैठ की कोशिशों और आतंकी ढांचे पर प्रहार की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

बजट सत्र से विकास को मिलेगी नई गति, संवाद से चले विधान मण्डल की कार्यवाही- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधान मण्डल में आज से बजट सत्र का शुभारम्भ हो रहा है, जिसकी शुरुआत संसदीय परम्परा के अनुरूप राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल के अभिभाषण से होगी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण सरकार की उपलब्धियों और भावी कार्ययोजना का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है, जिसे सदन के माध्यम से प्रदेश की जनता के समक्ष रखा जाता है और जिस पर सभी माननीय सदस्य चर्चा करते हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज विधान भवन परिसर में विधान मण्डल सत्र से पूर्व मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026–27 का सामान्य बजट आगामी 11 फरवरी को प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके बाद बजट पर विस्तृत चर्चा होगी और अंततः अनुदान मांगों को पारित किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि बजट सत्र 09 फरवरी से 20 फरवरी तक चलेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण के सदन के पटल पर रखे जाने के उपरान्त यह पहली बार होगा, जब उत्तर प्रदेश सरकार की आर्थिक उपलब्धियों पर आधारित आर्थिक सर्वेक्षण भी सदन में प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर निकालकर देश की अर्थव्यवस्था में ब्रेक–थ्रू स्टेट के रूप में स्थापित किया गया है। प्रदेश के आर्थिक उन्नयन की इस पूरी यात्रा, उससे जुड़े कारकों और उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त करना जनप्रतिनिधियों और प्रदेश की जनता का अधिकार है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि आर्थिक सर्वेक्षण में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में हुई वृद्धि,

आर्थिक उन्नयन, रोजगार सृजन की स्थिति में सुधार और वित्तीय प्रबन्धन के सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों का विस्तृत विवरण होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश लगातार पिछले पांच वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में स्थापित है और राज्यपाल के अभिभाषण तथा बजट पर चर्चा के दौरान यह रिपोर्ट सदन के लिए प्रदेश के डाटा का एक अहम दस्तावेज सिद्ध होगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि विधान मण्डल लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण आधार स्तम्भ है, जो संवाद से चलता है, न कि कार्यवाही को बाधित करने से। सरकार संवाद और सकारात्मक चर्चा के माध्यम से समस्याओं के समाधान में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक मुद्दे पर चर्चा–परिचर्चा के लिए तैयार है और सभी सदस्यों के बहुमूल्य सुझावों पर विचार कर राज्य हित में आवश्यक कदम उठाएगी, लेकिन सदन की कार्यवाही बाधित न की जाए और अनावश्यक शोर–गुल से बचा जाए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी दलों के सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि विधायिका के इस सर्वोच्च मंच का उपयोग जनता से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश विधान मण्डल में कार्यवाही के नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं और यह वर्ष सरकार के 10वें बजट का वर्ष है, ऐसे में यह सत्र अत्यन्त महत्वपूर्ण है। पूरे प्रदेश और देश की निगाहें इस बजट सत्र पर टिकी हुई हैं।मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट सत्र उत्तर प्रदेश के विकास की गति को और तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा की आग! उखरुल में उग्रवादियों ने फूँके दर्जनों घर, कर्फ्यू लागू

एजेंसी।

मणिपुर। प्रशासन ने स्थिति को अनियंत्रित होते देख जिले में तत्काल प्रभाव से निषेधाज्ञा (Curfe) लागू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को जिले के लिटान गांव में दो आदिवासी समूहों ने पथराव किया, जिसके कारण प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी। मणिपुर के उखरुल जिले में एक बार फिर सांप्रदायिक तनाव और हिंसा का तांडव देखने को मिला है। रविवार रात सशस्त्र उग्रवादियों ने लिटान सारेइखोंग क्षेत्र में कई मकानों को आग के हवाले कर दिया। यह हिंसा तंगखुल नगा समुदाय के एक व्यक्ति पर हुए कथित हमले के बाद उपजे तनाव का परिणाम बताई जा रही है। प्रशासन ने स्थिति को अनियंत्रित होते देख जिले में तत्काल प्रभाव से निषेधाज्ञा (ब्नतमिू) लागू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को जिले के लिटान गांव में दो आदिवासी समूहों ने पथराव किया, जिसके कारण प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि मध्यरात्रि के आसपास लिटान सारेइखोंग में तंगखुल नगा समुदाय के कई मकानों में कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों द्वारा आग लगा दी गई। पास के ही एक इलाके में कुकी समुदाय के कुछ लोगों के मकानों को भी जला दिया गया। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। लितान सारेइखोंग कुकी बहुल गांव है। जिले के एक अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''नुकसान का आकलन

किया जा रहा है और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।'' सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो फुटेज में हथियारबंद लोग गांव में मकानों और वाहनों को आग लगाते हुए और उग्रवादी अत्याधुनिक हथियारों से हवा में गोली चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। 'पीटीआई–भाषा' वीडियो क्लिप की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका। अधिकारी ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही को रोकने के लिए महादेव, लंबुई और शांगकाई तथा लिटान की ओर जाने वाले अन्य क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।उन्होंने बताया कि रविवार शाम को सुरक्षा बलों ने लिटान सारेइखोंग गांव में आपस में भिड़े दो आदिवासी समूहों को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। उखरुल जिले के मजिस्ट्रेट द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि तंगखुल नगा और कुकी समुदायों के सदस्यों के बीच तनाव के कारण गांव में शांति और व्यवस्था भंग होने की आशंका है। जिला मजिस्ट्रेट आशीष दास ने अधिसूचना में कहा कि रविवार शाम सात बजे से अगले आदेश तक किसी भी व्यक्ति का अपने निवास स्थान से बाहर निकलना प्रतिबंधित है। इसमें कहा गया है कि यह आदेश सरकारी अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों पर लागू नहीं होगा।शनिवार रात लिटान गांव में सात से आठ लोगों द्वारा तंगखुल नगा समुदाय के एक सदस्य पर कथित तौर पर हमला किए जाने के बाद इलाके में हिंसा भड़क गई।

कुलदीप सेंगर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, तत्काल जमानत देने से किया इनकार

एजेंसी।

दिल्ली। कुलदीप सेंगर की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्काल राहत देने से मना कर दिया, साथ ही दिल्ली उच्च न्यायालय को एक सप्ताह में सुनवाई शुरू कर तीन महीने में अपील निपटाने का आदेश दिया। अदालत ने सेंगर के वकील को मामले का मीडिया ट्रायल करने के खिलाफ भी चेतावनी दी।सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में बलात्कार के दोषी और पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया और दिल्ली उच्च न्यायालय को उनकी अपील पर सुनवाई करने और तीन महीने के भीतर जमानत पर फैसला सुनाने का निर्देश दिया। भारत के

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हालांकि न्यायालय सेंगर की 10 साल की सजा पर रोक नहीं लगा रहा है, लेकिन उच्च न्यायालय को एक सप्ताह के भीतर मामले पर सुनवाई करनी चाहिए, अपील सुननी चाहिए और तीन महीने के भीतर फैसला सुनाना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि हम उच्च न्यायालय से अपील पर सुनवाई करने और तीन महीने से अधिक समय में फैसला सुनाने का अनुरोध करने के लिए इसे उपयुक्त मामला मानते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि शिकायतकर्ता द्वारा दायर की गई सभी संबंधित अपीलों की सुनवाई साथ–साथ की जाए। सेंगर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने तर्क दिया कि पूर्व विधायक अपनी सजा के लगभग 9 वर्ष और 7 महीने पूरे कर चुके हैं और उन्होंने शेष अवधि के लिए अस्थायी रोक लगाने की मांग की। सॉलिसिटर जनरल ने न्यायालय को सूचित किया कि अपील की सुनवाई 11 फरवरी को दिल्ली उच्च न्यायालय में होनी है और उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर विचार करने का अनुरोध किया।न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने प्रश्न उठाया कि क्या अपील हत्या की धारा के तहत दायर की जानी चाहिए थी, जबकि मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि सेंगर ने वास्तव में सजा के सिर्फ सात वर्ष से अधिक ही पूरे किए हैं, और इस बात पर जोर दिया कि ऐसे गंभीर और नैतिक रूप से निंदनीय मामले में सजा में छूट देना अत्यधिक विवादास्पद है। सुनवाई के दौरान, मुख्य न्यायाधीश ने सेंगर के वकील महमूद प्राचा को मामले पर मीडिया में टिप्पणी करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि मामले का ''मीडिया ट्रायल'' करने पर उनका लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है।

पीएम मोदी हिम्मत दिखाएं, राहुल गांधी बोले- मेरे गलवान वाले बयान से डरे हुए हैं प्रधानमंत्री

एजेंसी।

दिल्ली। राहुल गांधी ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी उनके गलवान घाटी पर दिए बयानों और जनरल नरवणे के संस्मरणों की सच्चाई का सामना करने से डर रहे हैं, न कि किसी धमकी के कारण। उन्होंने कहा कि सरकार इसी मुद्दे पर चर्चा से बचने के लिए लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर रही है और रक्षा मंत्री ने सदन में झूठ बोला है।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि विपक्षी सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को धमकी देने का कोई सवाल ही नहीं उठता, लेकिन उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के संस्मरण का हवाला देते हुए 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर दिए गए अपने बयान के कारण सदन में आने से श्डरश रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि सरकार ने सदन को स्थगित कर दिया क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि वह इस मुद्दे को संसद में उठाएं।संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि रक्षा

मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में झूठ बोला है, क्योंकि नरवणे का संस्मरण प्रकाशित हो चुका है और उनकी प्रति उनके पास है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद गांधी ने कई विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर सरकार की आलोचना भी की। गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री सदन में आने से डर रहे थे, सदस्यों की वजह से नहीं, बल्कि मेरी बातों की वजह से। वे अब भी डरे हुए हैं क्योंकि वे सच्चाई का सामना नहीं कर सकते। हमारे सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री पर हमला करने का तो सवाल ही नहीं उठता। उन्हें आने का साहस दिखाना चाहिए। गांधी ने आगे कहा कि मैंने यह भी कहा था कि अगर कोई कहता है कि वह प्रधानमंत्री पर हमला करने जा रहा है, तो कृपया तुरंत एफआईआर दर्ज करें। उस व्यक्ति को गिरफ्तार करें। आप ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? तो असल में यही हुआ है। गांधी ने कहा कि पूरा विपक्ष संसद में चर्चा करने को उत्सुक है, लेकिन इसके लिए सरकार को उनकी शर्तें माननी होंगी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे दावा किया कि सरकार अमेरिका के साथ हाल ही में हुए व्यापार समझौते के कारण केंद्रीय बजट 2026–27 पर चर्चा नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि मेरा अनुमान है कि सरकार बजट पर बहस करने से चिंतित है ।

पिता बनने की अफवाहों पर भड़के तेजप्रताप यादव, बोले- अनुष्का से मेरा कोई संबंध नहीं, पहली बार गिनाए 5 जयचंदों के नाम

एजेंसी।

पटना बिहार। लालू यादव के बेटे तेज प्रताप यादव ने अनुष्का यादव से बेटी होने की सोशल मीडिया अफवाहों का खंडन करते हुए इसे अपनी छवि खराब करने की एक राजनीतिक साजिश बताया है। उन्होंने पूर्व विधायक मुकेश रोशन समेत कई नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए और झूठी रिपोर्टिंग के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अपनी पूर्व प्रेमिका अनुष्का यादव के साथ अपने नाम को जोड़े जाने पर कड़ी आपत्ति जताई और सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को बेबुनियाद और भ्रामक बताया।

संतोष कुमार को राज्य ललित कला अकादमी का सर्वोच्च सम्मान, रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय की कला-साधना को राष्ट्रीय प्रतिष्ठा

डॉ. अतुल कृष्ण, डॉ. हिमांशु ऐरन और सुश्री अवनी कमल ने बताया - यह उपलब्धि संस्थान की रचनात्मक परंपरा की सशक्त पहचान

विजडम इंडिया।

विशेष संवाददाता – लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 65वें स्थापना दिवस समारोह में सुभारती फाइन आर्ट्स कॉलेज के वरिष्ठ कलाकार

एवं प्राध्यापक संतोष कुमार को अकादमी के सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान उन्हें चित्रकला के क्षेत्र में दीर्घकालीन सृजनात्मक योगदान, विशिष्ट कलात्मक दृष्टि और कला–शिक्षा में उल्लेखनीय भूमिका के लिए प्रदान किया गया। लखनऊ स्थित अकादमी परिसर में आयोजित समारोह में प्रदेश भर से कला–जगत की प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं। सम्मान स्वरूप संतोष कुमार को प्रशस्ति–पत्र, स्मृति–चिन्ह एवं सम्मान राशि प्रदान की गई। अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील विश्वकर्मा ने सम्मान प्रदान करते हुए कहा कि संतोष कुमार की कला समकालीन भारतीय चित्रकला को नई दिशा देती है और उनकी सृजनशीलता युवा कलाकारों के लिए मानक स्थापित करती है।

इस उपलब्धि पर रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के न्यासाध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण ने बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान सुभारती परिवार के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा, "संतोष कुमार की साधना और अनुशासन विश्वविद्यालय की रचनात्मक विरासत को सुदृढ़ करते हैं। उनकी यात्रा यह सिद्ध करती है कि सतत अभ्यास और संवेदनशील दृष्टि से कला समाज को दिशा दे सकती है।" विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. हिमांशु ऐरन ने कहा कि संतोष कुमार की यह उपलब्धि सुभारती विश्वविद्यालय की कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में मजबूत पहचान का प्रमाण है। "यह सम्मान हमारे विद्यार्थियों को वैश्विक मानकों पर उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करेगा और अकादमिकदृक्रिएटिव समन्वय को नई ऊर्जा देगा,"।

असिस्टेंट अकादमिक डायरेक्टर सुश्री अवनी कमल ने भी शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संतोष कुमार के मार्गदर्शन में फाइन आर्ट्स के विद्यार्थी राष्ट्रीय मंचों पर निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके अनुसार, यह सम्मान शिक्षण और सृजनकृदोनों क्षेत्रों में संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में संतोष कुमार ने इसे व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ–साथ सुभारती फाइन आर्ट्स और अपने विद्यार्थियों को समर्पित बताया। उन्होंने युवा कलाकारों से निरंतर अभ्यास, संवेदनशील दृष्टि के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ देश दीपक ने एक संदेश में कहा, "यह सम्मान हमारे शिक्षकों और विद्यार्थियोंकृदोनों के लिए प्रेरणा है। विश्वविद्यालय कला–साधना को हर संभव समर्थन देता रहेगा।"

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी द्वारा दिया गया यह सर्वोच्च सम्मान न केवल संतोष कुमार की रचनात्मक यात्रा की मान्यता है, बल्कि रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय की कला–शिक्षा और सांस्कृतिक नेतृत्व की राष्ट्रीय स्वीकार्यता का भी सशक्त संकेत है।

गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई, शातिर गैंगलीडर आशीष सिंह उर्फ राजा व सहयोगियों की 1.45 करोड़ की संपत्ति राज्य के पक्ष में कुर्क

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने संगठित अपराध के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई की है। शातिर अभियुक्त गैंगलीडर आशीष सिंह उर्फ राजा और उसके सहयोगी मनीष सिंह तथा अवनीश सिंह चौहान द्वारा अपराध के माध्यम से अर्जित चल एवं अचल संपत्तियों को उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रिया–कलाप (निवारण) अधिनियम 1986 की धारा 14(1) के अंतर्गत राज्य के पक्ष में कुर्क किए जाने का आदेश पारित किया गया है। यह आदेश 09 फरवरी 2026 को माननीय न्यायालय पुलिस आयुक्त, लखनऊ द्वारा पारित किया गया।पुलिस के अनुसार विवेचना के दौरान अभियुक्तों द्वारा अपराध से अर्जित कुल संपत्तियों की कीमत लगभग एक करोड़ पैंतालीस लाख रुपये आंकी गई है। जांच में यह तथ्य सामने आया कि अभियुक्तों के पास इन संपत्तियों को अर्जित करने का कोई ज्ञात वैध स्रोत नहीं है और यह संपत्तियां संगठित आपराधिक गतिविधियों के जरिए प्राप्त धन से खरीदी गई हैं। इसी आधार पर प्रभारी निरीक्षक वजीरगंज, लखनऊ द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिस पर न्यायालय ने कुर्की का आदेश पारित किया।

पुलिस अभिलेखों के अनुसार अभियुक्तगण सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि से होने के बावजूद आर्थिक लाभ और भौतिक लालच के चलते अपराध की दुनिया में प्रवेश कर गए। वर्ष 2018 में पहली बार इनके आपराधिक कृत्य का खुलासा उस समय हुआ, जब प्लॉट पर अवैध कब्जा करने की नीयत से जेसीबी मशीन द्वारा बाउंड्री वॉल तोड़ दी गई थी। विरोध करने पर पीड़ित पक्ष को जान से मारने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद थाना ठाकुरगंज में मामला दर्ज किया गया। इसके पश्चात अभियुक्तों के हौसले लगातार बढ़ते गए और उन्होंने संगठित गिरोह बनाकर अपराध को ही आय का साधन बना लिया।आगे चलकर इस गिरोह द्वारा संपत्ति से जुड़े विवादों में तोड़फोड़, मारपीट, गाली–गलौज, जान से मारने की धमकी, अमानत में खयानत और धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराध किए गए। क्षेत्र में इस गिरोह का इतना भय और आतंक फैल गया था कि आम नागरिक इनके विरुद्ध शिकायत दर्ज कराने या गवाही देने से भी डरने लगे थे। पुलिस के अनुसार गिरोह की बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए गैंगचार्ट तैयार कर सक्षम स्तर से अनुमोदन प्राप्त किया गया।इसके बाद थाना ठाकुरगंज, लखनऊ में मु0अ0सं0 242ध्2025 धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रिया–कलाप (निवारण) अधिनियम 1986 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया, जिसकी विवेचना प्रभारी निरीक्षक वजीरगंज, लखनऊ द्वारा की जा रही है। विवेचना और साक्ष्यों के संकलन के दौरान अभियुक्तों के विरुद्ध गिरोहबंद अधिनियम के तहत अपराध किए जाने के ठोस प्रमाण पाए गए, जिसके आधार पर अपराध से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर उन्हें कुर्क किया गया।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने स्पष्ट किया है कि संगठित अपराध, भू–माफिया और समाज विरोधी तत्वों के विरुद्ध इस प्रकार की कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि आमजन में कानून का भय और सुरक्षा का विश्वास बना रहे तथा अपराधियों की अवैध कमाई पर प्रभावी प्रहार किया जा सके।

बीबीएयू में बौद्धिक संपदा अधिकार पर एकदिवसीय कार्यशाला, शोध को नवाचार और बाजार से जोड़ने पर दिया गया जोर

लखनऊ(आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 9 फरवरी को इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की ओर से बौद्धिक संपदा अधिकार से संबंधित एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पेटेंट डिजाइन एग्जामिनर एवं नीपैम ऑफिसर (नेशनल इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी अवेयरनेस मिशन) डॉ. यासिर अब्बास जैदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रो. सुनीता मिश्रा तथा इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल बीबीएयू के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा मंचासीन रहे, जबकि आईपीआर जैनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य कुमार शर्मा ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलगीत का गायन हुआ और आयोजन समिति की ओर से मुख्य अतिथि का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। प्रारंभ में प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा ने कार्यशाला में उपस्थित शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य और रूपरेखा से अवगत कराया। मंच संचालन का दायित्व डॉ. सूफिया अहमद ने निभाया।अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार का शोध के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि आज वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बाजार व्यवस्था के माध्यम से ही देशों की आर्थिक स्थिति तय होती है और इसमें आईपीआर की भूमिका निर्णायक बन चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के गठन के बाद आईपीआर के क्षेत्र में व्यापक सुधार हुए हैं और भारत में पेटेंट, डिजाइन, जीआई टैग और ट्रेडमार्क के क्षेत्र में निरंतर वृद्धि देखने को मिल रही है, जो देश की नवाचार क्षमता के साथ–साथ वैश्विक मंच पर भारत की सशक्त उपस्थिति को दर्शाती है। प्रो. मित्तल ने ढाका की मलमल, हरियाणा के बासमती चावल और महरौली के लौह जैसे उदाहरणों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि भारत की व्यापारिक और उद्यमशील संस्कृति प्राचीन काल से ही समृद्ध रही है। उन्होंने कहा कि एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में यह आवश्यक है कि ऐसा सुदृढ़ शोध पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें यह मूल्यांकन हो सके कि पीएचडी अथवा अन्य शोध कार्यों की आर्थिक और सामाजिक उपयोगिता क्या है। उनके अनुसार वास्तविक शोध वही है जो स्थापित धारणाओं को चुनौती दे, नए दृष्टिकोण प्रस्तुत करे और नवाचार को जन्म दे। इसी क्रम में उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने और उत्पादों के भारतीयकरण पर भी जोर दिया तथा संकाय सदस्यों से आह्वान किया कि प्रत्येक फैकल्टी सदस्य कम से कम एक पेटेंट विकसित करने का प्रयास करे, ताकि शोध, उद्योग और समाज के बीच प्रभावी सेतु स्थापित हो सके।मुख्य अतिथि डॉ. यासिर अब्बास जैदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था सीधे तौर पर बौद्धिक संपदा अधिकार से जुड़ी होती है। उन्होंने कहा कि भारत शोध के क्षेत्र में मजबूत स्थिति में है, लेकिन उस शोध को सुरक्षित रखने और उसके व्यावसायिक उपयोग की समझ आईपीआर के माध्यम से ही विकसित होती है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उदाहरण देते हुए कहा कि वे पहले भारतीय थे जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आईपीआर का प्रभावी उपयोग किया। डॉ. जैदी ने आईपीआर के प्रति जागरूकता को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि इसके विभिन्न चरण नवाचार को कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि प्रत्येक फैकल्टी अपने मार्गदर्शन में स्टार्टअप से जुड़ी टीमों का गठन करे, जिससे संस्थानों से अधिक से अधिक नवाचार आधारित स्टार्टअप निकल सकें। उनका मानना था कि यदि आज इस दिशा में ठोस पहल की जाए तो वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में आईपीआर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।आईपीआर जैनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य कुमार शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के वर्तमान दौर में बौद्धिक संपदा अधिकार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईपीआर न केवल अधिकारों का संरक्षण करता है, बल्कि नवाचार और शोध को आगे बढ़ाने के लिए आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। उन्होंने देश में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले पाँच प्रमुख स्तंभों कृअर्थव्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुदृढ़ अवसंरचना, प्रभावी प्रणाली और सशक्त ज्ञानकृपर प्रकाश डालते हुए कहा कि आईपीआर के बिना नवाचार केवल एक विचार बनकर रह जाता है। उन्होंने शोध को शैक्षिक ज्ञान से आगे बढ़ाकर आर्थिक मार्ग से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि उसके परिणाम मापनीय और समाज के लिए उपयोगी बन सकें।प्रो. सुनीता मिश्रा ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार न केवल शोध के लिए उपयोगी है, बल्कि यह भी स्पष्ट करता है कि कोई शोध पेटेंट योग्य है या नहीं। उन्होंने बताया कि जब शोधकर्ता को यह विश्वास होता है कि उसका कार्य पेटेंट कराया जा सकता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह अपने शोध को और अधिक गंभीरता तथा प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाता है। वहीं प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा ने कहा कि आईपीआर ज्ञान और नवाचार को कानूनी पहचान देकर समाज में रचनात्मकता की संस्कृति को प्रोत्साहित करता है। इसके माध्यम से नए विचारों और तकनीकों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण संभव होता है, जिससे उद्योग और अकादमिक जगत के बीच सहयोग मजबूत होता है और शोध प्रयोगशालाओं में विकसित विचार सामाजिक लाभ तक पहुँच पाते हैं।कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों के लिए दो तकनीकी सत्रों का आयोजन भी किया गया, जिनकी अध्यक्षता डॉ. यासिर अब्बास जैदी और आदित्य कुमार शर्मा ने की। समापन अवसर पर आयोजन समिति की ओर से अतिथियों और शिक्षकों को स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया तथा डॉ. अनीस अहमद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, गैर शिक्षण कर्मचारी, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समवेत सदन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का अभिभाषण, सुशासन से 'ब्रेक- स्टेट' बना उत्तर प्रदेश

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल के वर्ष 2026 के प्रथम सत्र के अवसर पर विधान सभा और विधान परिषद के समवेत सदन को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अभिभाषण के माध्यम से संबोधित किया। माघ 20, शक संवत 1947 को दिए गए इस अभिभाषण के साथ प्रदेश के बजट सत्र की औपचारिक शुरुआत हुई। राज्यपाल ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए वर्ष 2026 के लिए प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और सम्पन्नता की कामना की।राज्यपाल ने कहा कि सरकार प्रदेश की आर्थिक समृद्धि, युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता, किसानों की खुशहाली, महिलाओं की आत्मनिर्भरता तथा प्रत्येक नागरिक के सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार समस्याओं को समाधान तक पहुँचाने में विश्वास रखती है और इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश को 'बॉटलनेक स्टेट' से निकालकर 'ब्रेक–थ्रू स्टेट' के रूप में स्थापित किया गया है। 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प के साथ लगभग छह करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया है और वर्ष 2026 को अन्त्योदय, सामाजिक न्याय और सर्वसमावेशी लोक कल्याण का प्रतीक बनाने का लक्ष्य रखा गया है।राज्यपाल ने विकसित उत्तर प्रदेश /2047 की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए कहा कि 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश /2047' विजन डॉक्यूमेंट को लेकर विधान मण्डल में हुई चर्चा अत्यंत उपयोगी रही है। उन्होंने कहा कि मार्च 2017 के बाद से प्रदेश ने सुशासन, सुदृढ़ कानून व्यवस्था, आधारभूत ढांचे के विस्तार, निवेश, रोजगार सृजन और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे प्रदेश की विकास यात्रा को मजबूत आधार मिला है।अभिभाषण में प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक विरासत का भी उल्लेख किया गया। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन के शुभारम्भ और 'एक जिला एक व्यंजन योजना' की शुरुआत को प्रदेश की विशिष्ट पहचान से जोड़ा गया। प्रयागराज में वर्ष 2025 के महाकुम्भ और माघ मेला 2026 के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को आस्था, व्यवस्था और प्रबंधन की बड़ी परीक्षा बताते हुए सरकार की तैयारियों का उल्लेख किया गया।राज्यपाल ने बताया कि गुरु तेग बहादुर साहिब, अहिल्याबाई होल्कर, बिरसा मुंडा और सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुषों की स्मृति में प्रदेश भर में कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को बल मिला। लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण और काशी विश्वनाथ धाम परिसर में अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा स्थापना को सांस्कृतिक चेतना से जोड़ा गया।कानून व्यवस्था पर राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत माफिया और संगठित अपराध के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई है। सैकड़ों अपराधियों को आजीवन कारावास, मृत्युदंड और रासुका के तहत निरुद्ध किया गया है, जबकि हजारों करोड़ की अवैध संपत्ति जब्त की गई है। यूपी–112 की रिस्पॉन्स टाइम में उल्लेखनीय सुधार, साइबर क्राइम थानों का विस्तार, एटीएस की कार्रवाई और भ्रष्टाचार निवारण संगठन के ट्रैप ऑपरेशनों को सरकार की सख्ती का प्रमाण बताया गया।राज्यपाल ने पुलिस भर्ती, विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं के विस्तार, होमगार्ड्स की भर्ती, न्यायालय परिसरों के निर्माण, फास्ट ट्रैक कोर्ट, लोक अदालतों और कारागार सुधारों का भी उल्लेख किया। कृषि क्षेत्र में प्रदेश को खाद्यान्न उत्पादन में सरप्लस राज्य बताते हुए दलहन, तिलहन और श्रीअन्न उत्पादन में हुई वृद्धि, प्राकृतिक खेती, किसान योजनाओं, सोलर पंप, फसल बीमा और किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को दी गई सहायता को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया गया।राज्यपाल के अभिभाषण के साथ बजट सत्र की कार्यवाही औपचारिक रूप से प्रारम्भ हो गई है। आगामी दिनों में आर्थिक सर्वेक्षण, सामान्य बजट और विभिन्न विधायी विषयों पर सदन में विस्तृत चर्चा होगी, जिस पर पूरे प्रदेश और देश की निगाहें टिकी हुई हैं।

नगर निगम की अभियंत्रण समीक्षा बैठक में महापौर ने जताई सख्ती, विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता से कोई समझौता नहीं

लखनऊ(आरएनएस)। नगर निगम मुख्यालय पर सोमवार को महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में अभियंत्रण विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें नगर में संचालित विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और समयबद्धता की गहन समीक्षा की गई। बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार, चीफ इंजीनियर सिविल महेश वर्मा सहित सभी अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और अवर अभियंता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान महापौर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।महापौर ने शहर में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों पर विशेष ध्यान देते हुए निर्देश दिए कि जहां भी सड़क निर्माण कराया जा रहा है, वहां कार्य को एक छोर से दूसरे छोर तक पूर्ण कराया जाए। अधूरे या टुकड़ों में किए गए निर्माण कार्यों से आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है, जिसे हर हाल में रोका जाना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के साथ–साथ दोनों ओर नालियों का निर्माण अनिवार्य रूप से कराया जाए, ताकि जल निकासी की समस्या उत्पन्न न हो। चौड़ी सड़कों के किनारे पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए फुटपाथ निर्माण को भी आवश्यक बताया गया।बैठक में महापौर ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए अभियंत्रण विभाग के अधिकारियों को चेताया कि गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न केवल सरकारी धन की बर्बादी है, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बन सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने प्रमुख निर्माण कार्यों की थर्ड पार्टी जांच कराने के निर्देश दिए। साथ ही अवर अभियंताओं को बिल निर्माण के समय पूरी सतर्कता बरतने को कहा गया, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या तकनीकी त्रुटि की संभावना न रहे।नालों की स्थिति पर चर्चा करते हुए महापौर ने सभी अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में नालों के स्ट्रक्चर

का निरीक्षण कर स्थिति का आकलन करें। जहां नाले क्षतिग्रस्त पाए जाएं, वहां तत्काल एस्टीमेट तैयार कर मरम्मत कार्य प्रारंभ कराया जाए। इसके अलावा सड़क मार्ग के समीप खुले नालों को चिन्हित कर उन्हें ढकने के निर्देश दिए गए, ताकि दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके। मानसून को देखते हुए सभी नालों की समय से समुचित सफाई सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए गए।बैठक में वार्ड विकास निधि, 15वें वित्त आयोग, अवस्थापना निधि, सीएम वैश्विक नगरोदय योजना, सीएम ग्रिड और सीएम नगर सृजन योजना के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिन कार्यों की प्रगति असंतोषजनक पाई गई, उन ठेकेदारों को अंतिम चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने स्पष्ट किया कि यदि चेतावनी के बावजूद कार्यों में सुधार नहीं हुआ, तो संबंधित ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट कर नए सिरे से टेंडर जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नगर विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

राज्यपाल का अभिभाषण भाजपा सरकार के झूठे वादों का पुलिंदा, 2027 में विदाई तय- आराधना मिश्रा मोना

लखनऊ, (आरएनएस)। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने राज्यपाल द्वारा विधानमंडल के संयुक्त सदन में दिए गए अभिभाषण को भाजपा और योगी आदित्यनाथ सरकार की झूठी बातों तथा झूठे वादों का पुलिंदा करार दिया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल द्वारा पूरे अभिभाषण को न पढ़कर केवल कुछ अंश पढ़ना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार के झूठे दावों और असफलताओं को बार–बार दोहराना स्वयं राज्यपाल के लिए भी संभव नहीं था।

राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि 55 पन्नों के अभिभाषण में शामिल अधिकांश बातें पहले ही झूठी साबित हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल उत्तर प्रदेश में लंबे समय से अपने संवैधानिक पद पर हैं और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों, झूठे प्रचार और खोखली कार्यशैली को भली–भांति देख रही हैं। यही कारण है कि उन्होंने अभिभाषण के केवल कुछ हिस्से पढ़कर औपचारिकता पूरी की, क्योंकि भाजपा सरकार बीते दस वर्षों से पुराने कार्यों को नई ब्रांडिंग के साथ प्रस्तुत कर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है, जिसे अब प्रदेश की जनता भली–भांति समझ चुकी है।कांग्रेस नेता ने कहा कि अभिभाषण में ऐसा कोई भी नया तथ्य या उपलब्धि नहीं थी, जिसे भाजपा सरकार की वास्तविक सफलता कहा जा सके। कानून व्यवस्था को लेकर किए गए दावे पूरी तरह झूठे हैं। प्रदेश में जाति और धर्म देखकर कार्रवाई की जा रही है, अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और भ्रष्टाचार कई गुना बढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में आज भी लाखों पद रिक्त हैं, लेकिन सरकार भर्ती करने के बजाय झूठा गुणगान करने में लगी है। सरकारी नौकरियों के बावजूद युवाओं को स्थायी रोजगार न देकर आउटसोर्सिंग के सहारे नियुक्तियां की जा रही हैं, जिससे प्रदेश के नौजवानों के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ हो रहा

है।आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि अभिभाषण सरकार की सच्चाई को खुद उजागर करता है। स्वास्थ्य सेवाओं को अभिभाषण में जिन पन्नों पर दर्शाया गया है, जमीनी हकीकत उससे बिल्कुल अलग है। सरकार ने हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने का प्रचार जरूर किया, लेकिन न तो भवन निर्माण पूरा है, न पर्याप्त डॉक्टर तैनात हैं, न पैरामेडिकल स्टाफ और न ही मरीजों के लिए दवाइयों की समुचित व्यवस्था है।कृषि के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि अभिभाषण में किसानों को लेकर कई पन्ने भरे गए, लेकिन उसमें कुछ भी नया नहीं था। सच्चाई यह है कि किसानों को समय पर यूरिया और डीएपी नहीं मिल सकी, खाद की लाइन में खड़े होकर किसानों की जान तक चली गई। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ की गई ट्रेड डील किसानों के गले पर छुरा चलाने जैसी है। भारत के किसानों द्वारा पैदा किया गया अनाज यदि अमेरिका भेजा जाएगा तो उस पर 18 प्रतिशत टैक्स लगेगा, जबकि कांग्रेस सरकार के समय यह 9 प्रतिशत था। वहीं यदि अमेरिका का किसान अपना उत्पाद भारत के बाजार में बेचेगा तो उसे किसी प्रकार का आयात शुल्क नहीं देना पड़ेगा, जो सीधे तौर पर देश के अन्नदाता के साथ धोखा है।कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता ने कहा कि पूरा अभिभाषण केवल भाजपा सरकार की आत्मप्रशंसा और जनता से किए गए झूठे वादों का संकलन था, जिसे राज्यपाल भी भली–भांति समझ रही थीं। यही कारण है कि उन्होंने उसे पूरा पढ़ने के बजाय केवल कुछ अंश पढ़कर औपचारिकता निभाई। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के झूठ से ऊब चुकी है और अब बच्चे–बच्चे को भाजपा की खोखली बातें समझ में आ चुकी हैं। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 में प्रदेश से भाजपा की विदाई तय है।उन्होंने बताया कि विधानसभा सत्र के पहले दिन कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के दलों के साथ मिलकर बेरोजगारी, महंगाई, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और एसआईआर में धांधली कर वोट काटने के मुद्दे को लेकर विधानसभा परिसर में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि जनता से जुड़े इन ज्वलंत मुद्दों को सदन के भीतर और बाहर पूरी मजबूती से उठाया जाता रहेगा।

योगी की पाती' के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी का बच्चों से संवाद, चाइनीज मांझे और मोबाइल की लत पर जताई चिंता, बोर्ड परीक्षार्थियों को दिया आत्मविश्वास का संदेश

लखनऊ(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के बच्चों के नाम भावनात्मक संदेश लिखते हुए 'योगी की पाती' के माध्यम से उनसे सीधा संवाद किया है। इस पत्र में मुख्यमंत्री ने जहां बच्चों को स्नेहपूर्वक मार्गदर्शन दिया, वहीं चाइनीज मांझे और मोबाइल फोन की बढ़ती लत को लेकर गहरी चिंता भी जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि पतंग उड़ाना बच्चों के लिए आनंद और परंपरा का विषय है, लेकिन चाइनीज मांझा बेहद खतरनाक है, जिससे कई बार गंभीर दुर्घटनाएं हो जाती हैं। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे चाइनीज मांझे से पूरी तरह दूरी बनाएं और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि प्रदेश में चाइनीज मांझे के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और इसमें बच्चे भी महत्वपूर्ण सहयोग कर सकते हैं। यदि कहीं चाइनीज मांझा बिकता हुआ दिखाई दे, तो बच्चे अपने परिजनों के माध्यम से पुलिस या प्रशासन को इसकी सूचना दें, जिससे समय रहते कार्रवाई की जा सके। मुख्यमंत्री ने इसे समाज और जीवन की सुरक्षा से जुड़ा विषय बताते हुए बच्चों की जिम्मेदारी पर भी भरोसा जताया।'योगी की पाती' में मुख्यमंत्री ने मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मोबाइल बच्चों का कीमती समय चुरा लेता है और कई बच्चे घंटों मोबाइल गेम खेलने या रील देखने में अपना समय बर्बाद कर देते हैं। इससे न केवल पढ़ाई प्रभावित होती है, बल्कि आंखों की रोशनी कमजोर होने जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को सलाह दी कि वे मोबाइल की जगह किताबों से दोस्ती करें और परिवार के साथ अधिक से अधिक समय बिताएं, जिससे उनका मानसिक और सामाजिक विकास बेहतर हो सके।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बोर्ड परीक्षा में शामिल होने जा रहे छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें बिना डरे और पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्र को ध्यान से पढ़कर उत्तर लिखें, नकारात्मक विचारों से दूर रहें और अपने प्रयास में किसी प्रकार की कमी न रखें। मुख्यमंत्री ने बच्चों को कर्म के महत्व का स्मरण कराते हुए गीता का श्लोक 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' उद्धृत किया और कहा कि ईमानदारी से किया गया परिश्रम ही सफलता की सच्ची कुंजी है।मुख्यमंत्री का यह संदेश बच्चों के प्रति उनकी संवेदनशील सोच, सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक जीवन मूल्यों को दर्शाता है, जो न केवल विद्यार्थियों बल्कि अभिभावकों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समवेत सदन को किया संबोधित, बजट सत्र की औपचारिक शुरुआत

लखनऊ, सोमवार,(आरएनएस)। सत्यमेव जयते के उद्घोष के साथ उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत दोनों सदनों की कार्यवाही का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विधान सभा और विधान परिषद के संयुक्त सदन को अभिभाषण के माध्यम से संबोधित किया। यह अभिभाषण माघ मास की 20वीं तिथि, शक संवत 1947 को प्रस्तुत किया गया, जिसके साथ ही प्रदेश के बजट सत्र की औपचारिक शुरुआत हुई।राज्यपाल का अभिभाषण संवैधानिक परंपराओं के अनुरूप सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भावी कार्ययोजना का विस्तृत दस्तावेज होता है, जिसे विधान मण्डल के माध्यम से प्रदेश की जनता के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। अभिभाषण के दौरान सरकार के विभिन्न विभागों की कार्ययोजनाओं, विकासात्मक प्राथमिकताओं और प्रशासनिक दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया।संयुक्त सदन की इस महत्वपूर्ण कार्यवाही के दौरान विधान सभा और विधान परिषद के सदस्य उपस्थित रहे। राज्यपाल के अभिभाषण के पश्चात सदन में इस पर चर्चा की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, ।

अखिलेश यादव का राज्यपाल अभिभाषण पर हमला, बोले झूठी तारीफों का महोत्सव है भाजपा सरकार का भाषण

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह अभिभाषण भ्रष्टाचार में डूबी भाजपा सरकार की झूठी तारीफों का महोत्सव अधिक नजर आता है। उन्होंने कहा कि सरकारी कागजों पर हरियाली उगाने से प्रदेश की जनता भ्रमित होने वाली नहीं है। भाजपा सरकार ने बीते वर्षों में जनता का विश्वास तोड़ने और आपसी सद्भाव को नुकसान पहुंचाने का ही काम किया है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा शासनकाल में प्रदेश की प्रगति में लगातार गतिरोध पैदा हुआ है। समाजवादी सरकार के कार्यकाल में मेट्रो परियोजना जहां तक पहुंची थी, उसके आगे भाजपा सरकार एक इंच भी नहीं बढ़ा सकी। आगरादृलखनऊ एक्सप्रेस–वे जैसी किसी एक भी बड़ी परियोजना को भाजपा सरकार जमीन पर उतारने में विफल रही है। पूरे प्रदेश में अराजकता और अव्यवस्था का माहौल है। अन्नदाता किसान बदहाल है और नौजवान बेरोजगारी का दंश झेल रहा है। उन्होंने कहा कि नौकरियां नहीं हैं, उद्योग बंद हो रहे हैं और पूंजी निवेश के नाम पर केवल जलसे और इवेंट हो रहे हैं, जबकि वास्तविक निवेश कहीं दिखाई नहीं देता।समाजवादी पार्टी प्रमुख ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में केवल आंकड़ों और जुमलों का प्रदर्शन किया गया है। नौजवानों को नौकरियों का लालीपाप दिखाया जा रहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि हर भर्ती में भाजपा के इशारे पर व्यवधान डाले जाते हैं। महिलाओं की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को रोजाना अपमान का सामना करना पड़ रहा है। बच्चियों और महिलाओं के साथ दुष्कर्म, छिनौती और छेड़छाड़ की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

चीनी मिल बंद करना सुनियोजित साजिश-अशोक वर्मा

सुलतानपुर। पूर्व अध्यक्ष गन्ना विकास परिषद एवं संचालक सहकारी गन्ना विकास समिति सुलतानपुर, एडवोकेट अशोक कुमार वर्मा ने जिले की इकलौती किसान सहकारी चीनी मिल को अचानक बंद करने की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे किसानों के गन्ने की पेराई बीच में रोककर चीनी मिल को बेचने की सुनियोजित साजिश करार दिया है।अशोक कुमार वर्मा के अनुसार, चीनी मिल ने बिना किसी पूर्व सूचना, विज्ञापन या नोटिस के पेराई कार्य बंद कर दिया। न तो गन्ना समितियों से कोई नोड्यूज लिया गया और न ही किसानों, गन्ना विभाग के अधिकारियों या समिति पदाधिकारियों को कोई जानकारी दी गई। यह कदम गन्ना खरीद आपूर्ति नियमावली का स्पष्ट उल्लंघन है।अचानक बंदी से हजारों गन्ना किसान प्रभावित हुए हैं। वे अब कम मूल्य पर निजी मिलों या अन्य जगहों पर गन्ना बेचने को मजबूर हो रहे हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। वर्मा ने आरोप लगाया कि मिल की मरम्मत के लिए आए करोड़ों रुपये में बंदरबांट हुई और फंड का अनाप–शनाप खर्च किया

गया, जबकि मरम्मत नहीं कराई गई। मिल में इस सत्र में 22 लाख क्विंटल तक गन्ना पेराई की क्षमता थी, लेकिन इसे जानबूझकर रोका गया।उन्होंने बताया कि चीनी मिल की 14 हेक्टेयर कीमती जमीन (लगभग 25–30 लाख विश्वा) आज बाजार में 250 से 300 करोड़ रुपये की है। यही जमीन मुख्य आकर्षण है। पूर्व में बसपा सरकार के समय मिल बेचने की प्रक्रिया शुरू हुई थी, जिसमें बाजाज ग्रुप, बलराम ग्रुप और जे.पी. ग्रुप जैसे बड़े उद्योगपति इच्छुक थे, लेकिन किसानों, कर्मचारियों के विरोध और हाईकोर्ट में मुकदमों के कारण रुक गई।पूर्व सांसद मेनका गांधी एवं मुख्यमंत्री ने मिल के नवीनीकरण का आश्वासन दिया था, लेकिन वह पूरा नहीं हुआ। वर्मा का कहना है कि मिल को चालू रखने के लिए कुछ हिस्से की जमीन बेचकर ही नवीनीकरण संभव है, लेकिन अब बंद करके किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा है। अशोक कुमार वर्मा ने मांग की है कि मिल तत्काल चालू की जाए, शेष गन्ने की पेराई सुनिश्चित हो और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने किसानों से एकजुट होकर इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की है।

विद्युत खंभा गिरने से हुई थी मौत, बेवा महिला के हक में स्थायी लोक अदालत ने सुनाया फैसला

'पीड़िता को देने होंगे मु0-5,20,000- रूपये'

सुल्तानपुर। विद्युत खंबा गिरने से हुई मौत के मामले में स्थायी लोक अदालत ने विधवा महिला के हक में आदेश दिया है।15अगस्त 2018को हुई मौत के बाद 28–12–2018 को प्रार्थिनी ने मुख्यमंत्री किसान दुर्घटना एवं सर्वहिता बीमा का आवेदन की थी, किन्तु प्रार्थिनी का उक्त दावा बिलम्ब के कारण बीमा कम्पनी द्वारा प्रार्थिनी को पंजीकृत डाक के माध्यम से वापस कर दिया। थक हारकर पीड़िता ने पयगीपुर स्थित स्थायी लोक अदालत की शरण ली।अदालत ने पीड़िता के दावा को जाँच किया, और घटना सत्य पाई गयी। न्यायालय से मुख्यमत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना की बीमित धनराशि 5,00,000ः– रुपये व आर्थिक शारीरिक व मानसिक क्षतिपूर्ति 2,00,000ः– रुपये कुल मुबलिग–7,00,000ः– (सात लाख) रुपये मय ब्याज विपक्षीगण से दिलाये जाने की याचना कि गयी थी। धंमौर के भाँटी गांव निवासी पति सोनू की दुर्घटना में दिनांक 15.08.2018 को मृत्यु हो गयी थी. जिसका पंचनामा व पोस्टमार्टम हुआ था। वादिनी शीला द्वारा मुख्यमंत्री किसान दुर्घटना एवं सर्वहित बीमा योजना का लाभ पाने हेतु दिनांक 28.12.2018 को आवेदन किया गया था। वादिनी का आवेदन देरी से होने के कारण निरस्त कर दिया गया था, परन्तु वाद में जिलाधिकारी द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा मियाद के सम्बन्ध में दिये गये विचार रिट याचिका संख्या–15983ः 20 गौतम यादव बनाम सरकार आदि के अनुसार आवेदन समय अन्दर मानते हुए बीमा कम्पनी को भुगतान हेतु निर्देशित किया गया था।परन्तु बीमा कम्पनी द्वारा जिलाधिकारी के आदेश का अनुपालन नहीं किया गया। स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष राधेश्याम यादव ने एवार्ड पारित किया कि विपक्षी नेशनल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड याचिनी को मुख्यमंत्री किसान दुर्घटना एवं सर्वहित बीमा योजना के अन्तर्गत आर्थिक सहायता धनराशि मु0 5,00,000ः– पांच लाख रुपये व शारीरिक मानसिक कष्ट के लिए 10,000ः– दस हजार रूपये एवं वाद व्यय के लिए गु0 10,000ः – दस हजार रूपये एक महीने के अन्दर प्रदान किया जाय। विपक्षी नेशनल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड को आदेशित किया जाता है कि ये उपरोक्त आर्थिक सहायता धनराशि मय छः प्रतिशत वार्षिक ब्याज, वाद प्रस्तुत करने की तिथि से एक महीने के अन्दर याचिनी शीला देवी को अदा करें। यदि विपक्षी द्वारा उपरोक्त समय से मुख्यमंत्री किसान दुर्घटना एवं सर्वहित बीमा योजना के अन्तर्गत मिलने वाली क्षतिपूर्ति धनराशि अदा नहीं की जाती है तो याचिनी शीला देवी को यह अधिकार होगा कि वह विपक्षी खर्चे पर निष्पादन वाद प्रस्तुत करके मु0–5,00,000ः– रूपये आर्थिक सहायता धनराशि व 10,000ः– रूपये शारीरिक मानसिक कष्ट एवं 10,000ः –रूपये वाद व्यय, कुल मु0–5,20,000ः – रूपये मय छः प्रतिशत वार्षिक ब्याज के पीड़िता को प्रदान किया जाए। सदस्य रमेश चन्द्र यादव ,सदस्य मृदुला राय आदि ने पीड़िता के हक में न्याय दिलाने में विशेष योगदान रहा।

फौजी की मां को तमंचा दिखाने पर मुकदमा

जौनपुर। थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव निवासी भारतीय थल सेना में तैनात फौजी की मां को दबंगों द्वारा तमंचा दिखाकर धमकी देने एवं गाली गलौज करने का मामला सामने आया है। फौजी की मां पुलिस पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र शिकायत की,जिसके बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। रामगढ़ गांव निवासी अमित मिश्रा भारतीय थल सेना में पिछले 23 वर्षों से सेवारत हैं। वर्तमान में लद्दाख में चीन बॉर्डर पर तैनात हैं। उनकी माता आशा मिश्रा ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके पति की मौत हो चुकी है। बेटा सीमा पर देश की सुरक्षा में लगा है। घर पर वह अकेली रहती हैं। इसी का फायदा उठाकर पड़ोसी संजय पाण्डेय व अवधेश पाण्डेय जबरन जमीन कब्जाने की कोशिश कर रहे हैं। शुक्रवार को उक्त आरोपी अपने परिवार के साथ उनके दरवाजे पर आकर गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर संजय पाण्डेय अवैध असलहा निकालकर जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी आए दिन दरवाजे पर खड़े होकर गाली–गलौज करते हैं और भय का माहौल बनाकर जमीन हड़पना चाहते हैं। पीड़िता आशा मिश्रा का आरोप है कि एक ओर जहां बेटा देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात है, वहीं दूसरी ओर उसकी मां गांव में दबंगों की धमकियों से डरी–सहमी है। थाना प्रभारी निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि मामले में मिली तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस का मतदाताओं के नाम काटने आरोप

जौनपुर । जनपद में विभिन्न स्थानों से भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं द्वारा जबरन बीएलओ के उपर दबाव बनाकर जाति विशेष का नाम मतदाता सूची से काटे जाने की सूचना से आक्रोशित कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधि मंडल जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी से मिल तत्काल कार्यवाही किए जाने की मांग करते हुए पत्रक सौंपा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव आयोग भाजपा का ऐजेंट बन गया, भाजपा के लोग जो कह रहे हैं वहीं खुलेआम किया जा रहा है, इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता समाप्त हो गयी है। डा.प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि भाजपाइयों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से जाति विशेष और गैर भाजपाई मतदाताओं का साजिशन फार्म सात भरवाये जाने का मामला सामने आ रहा है, सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं द्वारा बीएओ के ऊपर गैर भाजपाई मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से निकालने का दबाव बनाया जा रहा है डा. प्रमोद सिंह ने जिलाधिकारी से मांग किया कि तत्काल प्रकरण की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए जिससे भविष्य में निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न हो सके। शहर अध्यक्ष आरिफ खान, सत्यवीर सिंह, राकेश सिंह डब्बू, इरशाद खान, जयप्रकाश मिश्रा, आरिफ सलमानी, होजैफा खान अधिवक्ता शैलेंद्र यादव आदि मौजूद रहे ।

मोतियाबिंद अपरेशन शिविर 10 फरवरी को'

जौनपुर। अन्धत्व निवारण कार्यक्रम के तहत लायन्स क्लब जौनपुर मेन और आर जे शंकरा आई हास्पिटल वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जांच मोतियाबिंद आपरेशन शिविर मंगलवार दिनांक 10 फरवरी को समय प्रातः 10 बजे से 02 बजे तक कुत्तुपुर तिराहा में आयोजित किया गया है। जिसमें आंखों की जांच की जायेगी और मोतियाबिंद के मरीजों को चिन्हित कर उनकी आंखों का आपरेशन किया जायेगा। संस्थाध्यक्ष सीए राजेश राज गुप्ता ने बताया कि मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण का कार्य आर. जे. शंकरा आई हास्पिटल वाराणसी में होगा। मरीज तैयारी के साथ आयें, उसी दिन हास्पिटल के साधन से मरीजो को वाराणसी ले जाया जायेगा, आपरेशन के बाद तीसरे दिन मरीज को कैंप स्थल पर छोड़ दिया जायेगा। इसलिए जरुरतमंद इस शिविर का लाभ उठा सकते हैं। आंख आपरेशन लेन्स प्रत्यारोपण एवं दवा किसी भी चीज का कोई भी पैसा नही लगेगा। संयोजक डॉ संदीप मौर्य ने बताया कि मरीजों की आंखों की निःशुल्क जांच और मोतियाबिंद ऑपरेशन लेन्स प्रत्यारोपण, आर जे शंकरा आई हास्पिटल वाराणसी की चिकित्सा विशेषज्ञ टीम द्वारा आधुनिक तकनीक से किया जाएगा। रोगियों के भोजन, आवास और परिवहन की सुविधा निशुल्क रहेगी। उन्हें निशुल्क दवाइयां और चश्मे भी प्रदान किए जायेंगे। मरीज अपने आधार की फोटो कॉपी और उनकी पूर्व से चल रही दवाईयां साथ में लाएं।

जगदीशपुर क्रिकेट फाइनल में एहसार इलेवन सोनबरसा चौंपियन

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के रैना जगदीशपुर में आयोजित स्वर्गीय पंडित कालीदीन तिवारी स्मारक लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा। खिताबी मुकाबले में एहसार इलेवन सोनबरसा ने ताज इलेवन दौनौ को 9 रनों से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एहसार इलेवन सोनबरसा की टीम ने निर्धारित 15 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 104 रन बनाए। टीम की ओर से शोएब ने 31 गेंदों में 41 रनों की शानदार और आक्रामक पारी खेली, जिससे टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी।लक्ष्य का पीछा करने उतरी ताज इलेवन दौनौ की टीम कड़े मुकाबले के बावजूद 15 ओवरों में 8 विकेट खोकर 95 रन ही बना सकी।

इस तरह सोनबरसा की टीम ने 9 रनों से फाइनल मुकाबला जीतकर चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया।मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट के प्रयोजक तिलकराम यादव ने विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को रेंजर साइकिल देकर सम्मानित किया। वहीं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को इमरान मोनू एवं शोएब की ओर से फर्राटा पंखा प्रदान किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इसौली विधायक ताहिर खान उपस्थित रहे। मैच में अंपायर की भूमिका सोनू तिवारी और विपिन राज ने निभाई।शानदार कमेंट्री दिलीप कुमार एवं सूर्यनाथ शुक्ला ने की,जबकि स्कोरर की जिम्मेदारी कमलेश कुमार और राधेश्याम तिवारी ने संभाली।

एसएसपी ने 22 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में किया बदलाव

कई थानों व चौकियों पर नई तैनाती, तत्काल प्रभाव से कार्यभार ग्रहण के निर्देश

(मथुरा)

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा रविवार को जारी आदेश में जनपद के 22 उप निरीक्षकों का स्थानांतरण कर दिया गया। सभी को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी सूची के अनुसार उप निरीक्षक हेमेन्द्र कुमार को थाना मांट से चौकी बारसाना, लोकेश कुमार को थाना बलदेव से चौकी मानागढ़ (नौहझील), एसआई मीनू को थाना मांट से गोविंदनगर, विकास कुमार शर्मा व योगेश गौतम को थाना हाईवे में तैनात किया गया है। विनीत चौधरी को सतोहा चौकी (हाईवे), अवधेश पुरोहित को थाना सुरीर, मनोज कुमार को थाना मांट, मुनीश कुमार को सदर बाजार तथा चरण सिंह को प्रभारी आरटीओ आई सेल बनाया गया है। अरविंद कुमार को ओल चौकी (फरह), संदीप कुमार को औद्योगिक क्षेत्र चौकी (हाईवे), मानू सिंह को सिविल लाइन चौकी (सदर बाजार), संदीप राणा को एएचटीयू, उज्ज्वल शर्मा को करनावल चौकी (राया) भेजा गया है। रविंद्र बाबू व रीता गौतम को कोतवाली, रामतीर्थ को बलदेव, ओमकार को सुरीर, संदीप कुमार को प्रभारी एसओजी, रजनीश सेन को पुलिस लाइन तथा नत्थू कुमार को गढ़ी बरसाना चौकी (कोसीकलां) में तैनाती दी गई है। पुलिस प्रशासन ने बताया कि यह फेरबदल प्रशासनिक आवश्यकताओं के तहत किया गया है।

दलापुर की उप जिलाधिकारी का किया सम्मान

जौनपुर। मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा बदलापुर, की उप जिलाधिकारी सुश्री योगिता सिंह का सम्मान किया गया। संस्था के महासचिव तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने शॉल और स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर मुंबई महानगरपालिका के पूर्व शिक्षणाधिकारी अशोक मिश्रा तथा पत्रकार प्रमोद पांडे उपस्थित रहे। संस्था द्वारा उन्हें यह सम्मान उनकी योग्य प्रशासनिक क्षमता तथा आम जनता के बीच उनके उज्जवल छवि को देखते हुए प्रदान किया गया। संस्था द्वारा आशा व्यक्त की गई कि सुश्री योगिता सिंह की कुशल क्षमता और समर्पित जनहित कार्यों से तहसील से जुड़े लोगों को राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का समुचित लाभ मिलेगा। 2022 में प्रशासनिक सेवा से जुड़ी सुश्री योगिता सिंह पढ़ाई में हमेशा टॉपर रहीं और पुलिस सेवा में रहे अपने पिता को अपना आदर्श मानती हैं। अलीगढ़ जनपद की रहने वाली सुश्री योगिता सिंह को अभी लंबी दूरी तय करना है और जनता से जुड़े विकास के ढेर सारी सपनों को पूरा करना है। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह के अनुसार सुश्री योगिता सिंह ऊर्जावान उप जिलाधिकारी हैं, जिनके कुशल प्रशासनिक नेतृत्व में तहसील का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

पेंशनर्स के टर्म्स रिफरेन्स को शामिल किया जाय

जौनपुर। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के जनपद शाखा की मासिक बैठक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम केअनुसार कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पेंशनर्स कार्यालय मे जनपद अध्यक्ष सी बी सिंह की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई।बैठक का संचालन जिला मन्त्री कृपाशंकर उपाध्याय ने किया। अध्यक्ष ने बैठक को संबोधित करते हुए अवगत कराया कि वेतन आयोग की बेवसाइट लॉन्च हो गयी है जिस पर संगठनो से 16फरवरी तक सुझाव मांगा गया है ,जिसके क्रम मे संगठन के प्रदेश नेतृत्व ने जनपदो से सुझाव मांगा है। जनपद के किसी पेंशनर्स द्वारा कोई सुझाव देना हो तो पेंशनर्स संगठन को 12 फरवरी तक अपना सुझाव प्रस्तुत कर दे जिससे समय से प्रदेश स्तर पर भेजा जा सके। गजट नोटीफिकेशन से पेंशनर्स के टर्म्स रिफरेन्स को सम्मिलित नही किए जाने से पेंशनर्स मे भ्रम की स्थिति बनी हुई है, जिसे भारत सरकार से दूर करने की मांग की गयी । बैठक मे स्थानीय समस्याओ मे यह प्रमुखता चिकित्सा प्रतिपूर्ति मे कुछ कार्यालयाध्यक्ष चिकित्सा अधिकारी को न भेज कर मौखिक रूप से विमारी का नाम बताकर देयक अपने स्तर पर रोक रक्खे है,जिसकी बैठक मे भर्त्सना करते हुए कार्यवाही का निर्णय लिया

स्तर से अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर की कार्यवाही की जा रही है,जिससे पेंशनर्स के गम्भीर बिमारी की चिकित्सा प्रभावित हो रही है।संगठन बैठक मे यह प्रकाश मे लाया गया कि कुछ कार्यालयाध्यक्ष चिकित्सा प्रतिपूर्ति देयक को शासनादेश के अनुसार तकनीकी परीक्षण हेतु मुख्य गया।बैठक को मुख्य रूप से सर्वश्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, मिठाई लाल, अशोक कुमार मौर्य, कंचन सिंह, कृष्ण कुमार त्रिपाठी,नन्दलाल सरोज, बिक्रमाजीत यादव, गोरखनाथ नाथ माली,चन्द्र शेखर सिंह, इ0मदन मोहन, दिनेश कुमार सिंह, मौजूद रहे।

बच्चों ने प्रस्तुत किया रंगारंग कार्यक्रम

बदलापुर, जौनपुर। कस्बे के शाहगंज रोड स्थित एनपीएस पब्लिक स्कूल में सोमवार को आयोजित वार्षिकोत्सव में छात्र–छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। एकांकी, नाटक, प्रहसन, युगल गीत और सामूहिक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों से बच्चों का उत्साह बढ़ाया। मुख्य अतिथि पूर्व सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष दिव्यकांत शुक्ल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति अध्यात्म और विज्ञान का अनूठा समन्वय थी। भारतीय शिक्षा का मूल आधार वेदों में निहित सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना रही है, जो संपूर्ण मानवता के कल्याण की कामना करती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न होकर संस्कारयुक्त होनी चाहिए, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल राष्ट्र निर्माण ही नहीं, बल्कि विश्व कल्याण भी होना चाहिए। उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि शिक्षा में मानवता और विश्व कल्याण का भाव नहीं होगा, तो संघर्ष और विनाश निश्चित है। विद्यालयों को उन्होंने सामाजिक चेतना का केंद्र बताते हुए कहा कि शिक्षा से छात्र में यह समझ विकसित होनी चाहिए कि उसका ज्ञान समाज और राष्ट्र के लिए किस प्रकार उपयोगी है। विद्यालय और समाज के बीच आत्मीयता और एकात्मता आवश्यक है। राम सहाय पांडेय, सीओ सुनील चंद्र तिवारी, प्रभारी निरीक्षक एसके शुक्ला, प्रभाकर चतुर्वेदी, उमेश चतुर्वेदी, विष्णुदत्त शुक्ल, अभिषेक सिंह, विवेक सिंह, राम सागर तिवारी, जया तिवारी, अनामिका सिंह, कीर्ति मिश्रा, अंशिका सिंह, आयुषी गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सत्यदेव सिंह ने की, जबकि

चेतावनी: होली खेलें पर हुड़दंग बर्दाश्त नहीं, हुड़दंगियों को दी चेतावनी

-सीओ सदर ने थाना जैंत में ली शांति समिति की बैठक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

(मथुराध्जैत)(ए.के.शर्मा)

ब्रज की विश्व प्रसिद्ध होली और आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। त्योहार के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के उद्देश्य से थाना जैंत परिसर में क्षेत्राधिकारी सदर पीतमपाल सिंह की अध्यक्षता में पीस कमेटी की एक विशेष बैठक संपन्न हुई। बैठक में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, संभ्रांत नागरिकों और गणमान्य लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बैठक को संबोधित करते हुए सीओ सदर पीतमपाल सिंह ने कहा कि होली आपसी प्रेम और रंगों का त्योहार है, इसमें खलल डालने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ पुलिस सख्ती से निपटेगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे जबरन रंग डालने, शराब पीकर हुड़दंग करने या तेज आवाज में डीजे बजाने जैसी गतिविधियों से बचें। उन्होंने विशेष रूप से सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं और अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। अधिकारियों ने बताया कि होली के पर्व पर संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। सीओ सदर ने थाना जैंत पुलिस को निर्देश दिए कि बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर गश्त बढ़ाई जाए ताकि महिलाएं और बच्चे निर्भय होकर त्योहार मना सकें। उन्होंने स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए कहा कि यदि कहीं भी कोई संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु दिखे, तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। बैठक के दौरान उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने भी अपने–अपने क्षेत्र की समस्याओं और सुरक्षा संबंधी सुझावों को पुलिस प्रशासन के सामने रखा। नागरिकों ने सामूहिक रूप से विश्वास दिलाया कि वे ब्रज की मर्यादा के अनुरूप शांतिपूर्ण तरीके से होली का पर्व मनाएंगे और प्रशासन का पूर्ण सहयोग करेंगे। इस मौके पर थाना प्रभारी जैंत उमेश चंद्र त्रिपाठी, मनोज भाटी, सुधीर राठी, जोगेंद्र, सतेंद्र, सौदान सिंह, द्वारिकाधीश यादव, कालू पहलवान, तेजपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

हजरत गंज पुलिस ने चंद घंटों में गुम मोबाइल लौटा कर महिला के चेहरे पर लाई मुस्कान

संवादाता

लखनऊ – एक तरफ विधानसभा सत्र चल रहा था पुलिस प्रशासन अपनी ड्यूटी कर रही थी उधर रचना सिंह नाम की एक महिला की मोबाइल गुम हो गई। महिला अपने आंखों में आसूं लिए सचिवालय चौकी पहुंची और अपनी व्यथा चौकी प्रभारी बगेश कुमार शर्मा को बताने लगी।बिना देर किए इंस्पेक्टर विक्रम सिंह के नेतृत्व में काम कर रहे चौकी प्रभारी बगेश कुमार अपने हमारा धर्मेंद्र यादव को

साथ लिए और मोबाइल खोजने निकल पड़े।काफी खोजबीन कड़ी मस्कत के बाद मोबाइल बरामद करके पीड़ित महिला को सौंप कर अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाते हुए नजर आए। महिला मोबाइल पाकर हजरत गंज कोतवाली पुलिस की तारीफ करते हुए चेहरे पर मुस्कान लाकर अपने घर की तरफ रवाना हो गई।

तीन वाहन टकराये, दो बच्चों सहित चारघायल

जौनपुर। थाना जलालपुर क्षेत्र के हाइवे पर कोडरी फाटक के समीप अवैध कट से कार चालक की लापरवाही से तीन वाहन टकरा गए।घटना में दो बच्चों सहित चार लोग घायल हो गए।हाइवे पर थोड़ी देर जाम की स्थिति हो गयी।सूचना पर पुलिस ने पहुंच कर घायलों को अस्पताल भिजवाया।मौके से वाहनों को हटवाकर आवागमन सुचारू करावाया।जलालपुर क्षेत्र के लोहगाजर गांव निवासी करमवीर सिंह जलालपुर की तरफ से अपनी कार लेकर जौनपुर की तरफ जा रहे थे।हाइवे पर बनाये गए ऊक्त स्थान पर बनाये गए अवैध कट से उन्होंने अपनी कार को मोड़ दिया।उसी समय अचानक जौनपुर की तरफ से वाराणसी जा रही बस ने कार के अगले हिस्से में टक्कर मार दिया।बस की टक्कर लगने के बाद कार पीछे की तरफ चली गई।उसी समय वाराणसी से जौनपुर की तरफ जा रही बोलेरो उक्त कार से टकरा गई।घटना में क्रेटा कार का चालक करमवीर सिंह तथा बोलेरो सवार मनोज कुमार,उनकी पत्नी अनिता देवी तथा उनके बच्चे साक्षी व अंकित कुमार घायल हो गए।घटना की जानकारी पर थानाप्रभारी गजानन्द चौबे एस आई मोहम्मद शहनवाज के साथ मय फोर्स मौके पर पहुंच गए।पुलिस ने घायलों को सीएचसी रेहटी भिजवाया।तीनो वाहनों राजमार्ग से हटवाकर जाम हटवाया।थानाप्रभारी गजानंद चौबे ने बताया कि कार को अचानक अवैध कट पर मोड़ने से हादसा हुआ।

पूर्व सांसद और उनके पुत्र को दिया श्रद्धांजलि

जौनपुर। स्व. राजकेशर सिंह पूर्व सांसद एवं उनके ज्येष्ठ पुत्र स्व0 डा. दिनेश सिंह की पुण्य तिथि संयुक्त रूप से उनके पैतृक आवास बसहुपुर में यादव ने उन लोगों के व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डाला। विधायक अभय सिंह गणमान्य लोगो को शाल देकर सम्मानित किया। इसमे उनके पौत्र डा. राजवीर सिंह राजा ने लोगा का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। प्रमुख लोगों में कुंवर. विरेन्द्र सिंह एम.एल सी ने श्रद्धान्जली देते हुए दोनोंके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। श्रद्धान्जली समारोह में डा. दिनेश चन्द्र तिवारी बरिष्ठ पलकार, विजयबहादुर सिंह – सत्यप्रकाश तिवारी, राजू तिवारी ताड़केश्वर सिंह, जितेन्द्र प्रताप सिंह , उदित पाठक एडवोकेट, विष्णु शुक्ला राजीव तिवारी एवं गंणमान्य लोग अश्रुपूरित नेत्रो से श्रद्धान्जलि अर्पित किया। उनके परिवार यशवीर सिह, ऋषि एवं रत्नवीर आदित्य सिंह अन्य लोग उपस्थिति थे।

ट्रैलर की चपेट में आने से अधेड़ घायल

जौनपुर। जिले के शाहगंज क्षेत्र में स्थित निजामपुर गाँव के पासरोड पर एक ट्रैलर की चपेट में आने से एक अधेड़ व्यक्ति घायल हो गया है। घटना के बाद घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खुटहन थाना क्षेत्र के नोनिया पट्टी गांव निवासी संता चौहान पुत्र इंद्रजीत चौहान अपनी बाइक से बीते रविवार की रात कहीं जा रहें थें।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 10 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

ओमान में वार्ता की मेज से लेकर युद्ध के मैदान तक...इरान और यूए ने एक दूसरे के खिलाफ पूरा जोर लगाकर दुनिया को चिंता में डाला

ओमान ने कहा है कि उसके विदेश मंत्री ने मस्कट में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों से अलग अलग मुलाकात कर परमाणु मामले पर परोक्ष वार्ता को आगे बढ़ाया। बताया जा रहा है कि वार्ता स्थल पर ईरान इस बात से भड़क गया कि अमेरिकी दल में एडमिरल ब्रैड कूपर जैसे सैन्य अधिकारी मौजूद थे। ईरान पर युद्ध के मंडराते बादल अब और घने होते जा रहे हैं क्योंकि ओमान में बातचीत के लिए आये ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधियों ने सीधे तौर पर बातचीत नहीं की। बातचीत ओमान की मध्यस्थता में हुई। यानि ईरान अपनी बात ओमान से कहता, ओमान वही बात जाकर अमेरिका से कहता और अमेरिकी जवाब को आकर ईरानी प्रतिनिधि को बताता। साथ ही इस वार्ता से पहले दोनों ओर से जिस तरह के धमकी भरे बयान आये और भारी हथियारों की तैनाती की गयी उससे यह साफ हो चला था कि वार्ता महज दिखावा है। हम आपको बता दें कि ओमान ने कहा है कि उसके विदेश मंत्री ने मस्कट में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों से अलग अलग मुलाकात कर परमाणु मामले पर परोक्ष वार्ता को आगे बढ़ाया। बताया जा रहा है कि वार्ता स्थल पर ईरान इस बात से भड़क गया कि अमेरिकी दल में एडमिरल ब्रैड कूपर जैसे सैन्य अधिकारी मौजूद थे। देखा जाये तो बीते वर्ष ईरान के परमाणु ढांचे पर हुए अमेरिकी हमले के बाद भले पहली औपचारिक वार्ता हुई लेकिन उससे पहले ही बयानबाजी, सैन्य जमावड़े और परोक्ष धमकियों ने माहौल को बारूदी बना दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई को खुली चेतावनी दी कि उन्हें बहुत चिंतित रहना चाहिए। यह चेतावनी उस समय आयी है जब ईरान के भीतर सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर कड़ी कार्रवाई हुई, इंटरनेट पर पाबंदी लगी और सड़कों पर असंतोष उभरा।हम आपको बता दें कि ओमान की राजधानी मस्कट में हुई वार्ता में ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिका की ओर से विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेड कुश्नर शामिल हुए। वार्ता शुरू होने से पहले भी अनिश्चितता बनी रही। खबरें आयीं कि आधिकारिक शुरुआत टली हुई है लेकिन बाद में स्पष्ट हुआ कि संदेश ओमान के जरिये आगे पीछे किये जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिका ने वार्ता से पहले कहा था कि वह चाहता है कि परमाणु कार्यक्रम के साथ–साथ ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता, क्षेत्र में सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ ईरान के व्यवहार पर भी चर्चा हो मगर तेहरान ने साफ कह दिया था कि बात केवल परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंध हटाने तक सीमित रहेगी।ईरान ने संकेत दिये हैं कि वह यूरेनियम संवर्धन पर कुछ लचीलापन दिखा सकता है, यहां तक कि उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम का कुछ भंडार सौंपने या साझा व्यवस्था के तहत शून्य संवर्धन तक पर विचार कर सकता है। पर साथ ही वह कहता है कि संवर्धन का अधिकार सौदे का विषय नहीं और 2018 के बाद फिर लगाये गये प्रतिबंध हटने चाहिए।ईरान का शक्ति प्रदर्शनइसी बीच, ईरानी सरकारी प्रसारण ने बताया कि उसकी सबसे उन्नत लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल खुर्रमशहर चार को भूमिगत मिसाइल नगर में तैनात किया गया है। इसकी मारक दूरी 1240 मील से अधिक और भारी वारहेड ढोने की क्षमता बतायी गयी है। इस दौरान ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के राजनीतिक उप प्रमुख यदोल्लाह जवानी ने दो टूक कहा कि कूटनीति अपनाने का अर्थ सैन्य ताकत छोड़ना नहीं है, ईरान युद्ध नहीं चाहता पर यदि दूसरी ओर से गलती हुई तो जवाब निर्णायक होगा। यह सब उस समय हुआ जब ट्रंप प्रशासन ने हाल के सप्ताहों में पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी और साधन बढ़ाये हैं, जिससे साफ है कि वार्ता की मेज के नीचे भी दबाव की राजनीति पूरी ताकत से चल रही है।समुद्र में अमेरिका को घेरेगा ईरान! ईरान समुद्री मोर्चे पर सीधी बराबरी की जगह अपनी युद्ध नीति पर भरोसा करता है। उसका लक्ष्य है कि खाड़ी का जलक्षेत्र इतना जोखिम भरा बना दिया जाये कि किसी भी अमेरिकी विमान वाहक पोत के लिए वहां ठहरना महंगा सौदा लगे। ईरान जानता है कि जहाज दर जहाज मुकाबला उसके बस की बात नहीं, इसलिए वह सस्ते और असरदार हथियार, तेज नौकाएं, मानवरहित यान और तंग जलमार्ग का सहारा लेकर महंगे दुश्मन साधनों को निशाना बनाने की सोच रखता है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य अपने सबसे संकरे हिस्से में बहुत कम चौड़ा है, जहां बड़े पोतों की चाल सीमित हो जाती है और वे अनुमानित रास्तों पर चलने को मजबूर होते हैं। उत्तरी तट पर पकड़ रखने वाला ईरान जमीन से मार करने वाले प्रक्षेपास्त्र और तटीय ठिकानों से ऐसे पोतों को आसानी से साध सकता है। रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना के पास सैकड़ों छोटी और तेज आक्रमण नौकाएं हैं जिन पर मशीनगन, राकेट और टारपीडो लगे रहते हैं। ये नौकाएं झुंड की नीति अपनाती हैं, यानी एक ही बड़े पोत पर कई दिशाओं से एक साथ धावा। पारंपरिक रक्षा तंत्र दूर से आते प्रक्षेपास्त्र रोकने में सक्षम हो सकता है, पर एक साथ आती अनेक छोटी नौकाओं और मानवरहित यानों पर नजर रखना कठिन हो जाता है। ईरान ने समुद्र में चलते जहाजों को साधने वाले खास प्रक्षेपास्त्र भी विकसित किये हैं जिनकी मारक दूरी सैकड़ों किलोमीटर बतायी जाती है और जिनकी रफ्तार बहुत तेज कही जाती है। कम कीमत वाले शाहेद जैसे मानवरहित यान बड़ी संख्या में भेजे जाएं तो वे रक्षा कवच पर दबाव डालते हैं, और भले ही कई गिरा दिये जाएं, लागत का अंतर ईरान के पक्ष में रहता है।इसके साथ ही गदीर श्रेणी की छोटी पनडुब्बियां उथले पानी के लिए ढाली गयी हैं। ये समुद्र तल के पास छिपकर घात लगा सकती हैं और भारी टारपीडो से बड़े युद्धपोत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। समुद्री बारूदी सुरंगें भी ईरान के शस्त्रागार का अहम हिस्सा हैंय संकरे जलमार्ग में एक सुरंग भी बहुमूल्य पोत को लंबे समय के लिए निष्क्रिय कर सकती है। हाल में फत्ताह दो जैसे अति तीव्र गति वाले प्रक्षेपास्त्र के दावे भी किये गये, जिन्हें रोकना कठिन बताया जाता है। ईरान की सोच साफ है– दुश्मन के एक महंगे पोत की कीमत में वह अनेक हमले कर सकता है। 2002 के एक अमेरिकी सैन्य अभ्यास में भी दिखा था कि झुंड नीति और अनोखे तरीके भारी तकनीक पर भारी पड़ सकते हैं। यही भरोसा तेहरान को टकराव की स्थिति में मनोवैज्ञानिक बढ़त देता है।ट्रंप का बड़ा बयानदूसरी ओर ट्रंप का दावा है कि पिछले हमलों से ईरान के परमाणु ढांचे का पूर्ण विनाश हुआ और इसी से पश्चिम एशिया में शांति बनी रही। उनका कहना है कि यदि हमला न होता तो अरब देश कभी निश्चिंत नहीं होते। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान नये स्थलों पर कार्यक्रम फिर शुरू करने की सोच रहा था, जिसे अमेरिका ने पहले ही भांप लिया और सख्त चेतावनी दी। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पहले ही कह दिया था कि विशेष दूत स्टीव विटकॉफ बैठक के लिए तैयार हैं और अमेरिका संवाद चाहता है, हालांकि समझौते को लेकर भरोसा पक्का नहीं है।होने लगी भिड़ंतइसके अलावा, दोनों देशों के बीच तनाव केवल शब्दों तक सीमित नहीं है। अरब सागर में एक अमेरिकी विमान वाहक पोत ने अपने पास आये एक ईरानी मानवरहित विमान को मार गिराया है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौकाओं ने अमेरिकी झंडा लगे तेल वाहक जहाज के पास जाकर उसे रोकने की धमकी दी थी। हम आपको बता दें कि यह वही समुद्री रास्ता है जहां से दुनिया के तेल का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसलिए यहां जरा–सी चिंगारी भी वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिला सकती है।अमेरिका की तैयारी इस बीच, अमेरिका ने अपने नागरिकों को ईरान तुरंत छोड़ने की सलाह दी है। कहा गया है कि सरकारी मदद पर निर्भर न रहें, वैकल्पिक संपर्क साधन रखें, सड़कों पर प्रदर्शनों से दूर रहें और सुरक्षित स्थान पर खाद्य, जल और दवाओं का भंडार रखें। दोहरी नागरिकता वालों को ईरानी यात्रा दस्तावेज से निकलने की सलाह दी गयी है। देखा जाये तो क्षेत्रीय परिदृश्य बदल चुका है। गाजा संघर्ष के बाद और सीरिया में बशर अल असद के पतन से तेहरान के कई क्षेत्रीय साथी कमजोर पड़े हैं। इजराइली नेतृत्व ईरान की मिसाइल और परमाणु महत्वाकांक्षा को दोहरी बीमारी बताता रहा है। ऐसे में वार्ता केवल दो देशों की नहीं, पूरे क्षेत्र की दिशा तय कर सकती है। ओमान को ही वार्ता के लिए क्यों चुना गया? अब सवाल है कि ओमान को ही वार्ता के लिए क्यों चुना गया? दरअसल ओमान लंबे समय से दोनों पक्षों के बीच भरोसेमंद मध्यस्थ रहा है। उसने पहले भी गुप्त और खुली बातचीत के लिए शांत मंच दिया। वह खाड़ी का ऐसा देश है जो टकराव से दूरी रखता है, सब पक्षों से बात करता है और सुरक्षा के साथ गोपनीयता भी देता है। मस्कट भौगोलिक रूप से नजदीक है, समुद्री पहुंच सरल है और वहां बातचीत बिना शोर के हो सकती है। तेहरान को वहां सम्मानजनक माहौल मिलता है और वाशिंगटन को तटस्थ पुल। यही कारण है कि जब सीधे संवाद कठिन हों, तो रास्ता मस्कट से होकर जाता है। बहरहाल, यह भी साफ दिख रहा है कि यह शक्ति संतुलन की जंग है।

सम्पादकीय

अमल की ताक में अदालत के महत्त्वपूर्ण आदेश

आरटीई कानून लागू हुए 16 वर्ष गुजर गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश से जाहिर है कि सरकारों ने उस धारा के तहत अपने दायित्व को नहीं निभाया। यानी लड़कियों के लिए अलग शौचालय की जरूरत पूरी नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट की इस व्याख्या का ऊंचा सैद्धांतिक महत्त्व है कि मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संविधान प्रदत्त जीवन के मौलिक अधिकार का अभिन्न अंग है। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की खंडपीठ ने कहा कि स्कूलों में लड़कियों को इससे संबंधित सुविधाएं मिलें, यह सरकारों को सुनिश्चित करना चाहिए। इस सिलसिले में लड़के, लड़कियों, और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग शौचालय बनाने तथा लड़कियों को सेनेटरी पैड मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट की ये राय सटीक है कि मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य के सुरक्षित, प्रभावी, और किफायती उपाय उपलब्ध ना होने पर लड़कियों की गरिमा प्रभावित होती है। इसलिए अदालत ने इन सुविधाओं को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत बालिकाओं का मौलिक अधिकार बना दिया है। यानी न्यायालय ने जीवन के अधिकार संबंधी अनुच्छेद का विस्तार किया है।ठीक ऐसा ही विस्तार एक दशक पहले कोर्ट की एक संविधान पीठ ने किया था, जब निजता को नागरिकों का मौलिक अधिकार घोषित किया गया। दरअसल, गुजरे दशकों में कोर्ट ने अपने कई महत्त्वपूर्ण निर्णयों एवं व्याख्याओं के जरिए नागरिक समाज के विभिन्न समूहों के मौलिक अधिकारों का विस्तार किया है। लेकिन बात घूम–फिर कर अमल पर आ जाती है। पूर्व निर्णय से निजता कितनी सुरक्षित हुई? खुद संसद ने जीवन के बुनियादी हक संबंधी अनुच्छेद 21 में उपधारा 21–ए जोड़कर प्राथमिक शिक्षा को बच्चों का मूल अधिकार बनाया था। उसके तहत स्कूल को खास ढंग से परिभाषित किया गया, जिसमें लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की अनिवार्यता उपलब्धता शामिल है। यह कानून लागू हुए 16 वर्ष गुजर गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश से जाहिर है कि सरकारों ने उस धारा के तहत अपने दायित्व को नहीं निभाया। यानी ये जरूरत पूरी नहीं की गई। तो नए आदेश पर पालन सुनिश्चित कौन कराएगा? इसका उल्लंघन होने पर जवाबदेही कैसे तय होगी? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अनेक संवैधानिक प्रावधान, कानून, और सर्वोच्च अदालत के महत्त्वपूर्ण आदेश आज भी अमल की ताक में हैं। अतरू सुप्रीम कोर्ट को इस समस्या का भी निवारण करना चाहिए। वरना, उसका ताजा निर्णायक भी महज सैद्धांतिक रूप से महत्त्वपूर्ण बना रह जाएगा।

विकसित भारत 2047 की ओर स्मार्ट रास्ता हड़ताल नहीं, बल्कि श्रम संहिता

पीढ़ियों से, भारत के श्रमिकों ने एक पुरानी और टुकड़ों में बंटी श्रम प्रणाली का बोझ उठाया है, जो अक्सर उनके वेतन, सुरक्षा और कार्यस्थल पर गरिमा की रक्षा करने में विफल रही है। असंगठित, संविदा और उभरते गिग क्षेत्रों के करोड़ों श्रमिक नीति–परिदृश्य में अदृश्य रहे हैं और बुनियादी सामाजिक सुरक्षा से वंचित रहे हैं। चार श्रम संहिताएँ इन ऐतिहासिक अन्यायों का सुधार करने के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित प्रयास का प्रतिनिधित्व करती हैं। लगभग तीन दर्जन अलग–अलग कानूनों को एक सुसंगत, एकल ढांचे में लाकर, ये संहिताएँ न्यायसंगत वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और उन लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास करती हैं, जो लंबे समय से वंचित रहे हैं। वर्षों के परामर्श और बहस के बाद इनका कार्यान्वयन, श्रमिकों के अधिकारों को मजबूत करने तथा अधिक स्थिर और मानवतापूर्ण रोजगार वातावरण बनाने में निर्णायक क्षण का प्रतीक है।एक जिम्मेदार ट्रेड यूनियन संगठन के रूप में, भारतीय ट्रेड यूनियनों का राष्ट्रीय मोर्चा (एनएफआईटीयू), कामगारों की दीर्घकालिक भलाई, गरिमा और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मोर्चा दृढ़ता से मानता है कि 12 फरवरी को श्रम संहिताओं के खिलाफ हड़ताल में भाग लेना न तो आवश्यक है और न ही वर्तमान समय में श्रमिक वर्ग के सर्वोत्तम हित में है। श्रम संहिताएं कोई अचानक या एकतरफा हस्तक्षेप नहीं हैं। ये दो दशकों से अधिक समय तक चली सुधार प्रक्रिया का परिणाम हैं। 29 अलग–अलग श्रम कानूनों को चार व्यापक संहिताओं में समेकित करने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी, ताकि अनुपालन को सरल बनाया जा सके, अस्पष्टता को कम किया जा सके तथा कार्य और रोजगार की बदलती वास्तविकताओं के अनुरूप भारत की श्रम रूपरेखा को आधुनिक बनाया जा सके।श्रम संहिताओं को पूरी तरह खारिज करना उन मौलिक लाभों की उपेक्षा करता है, जो वे श्रमिकों को प्रदान करने का प्रयास करती हैं। वेतन संहिता सार्वभौमिक न्यूनतम वेतन कवरेज और समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करती है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय से मौजूद वेतन सुरक्षा के अंतर को दूर किया जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, पहली बार, असंगठित, संविदा, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा की विधायी रूपरेखा तैयार करती है। इन श्रमिकों की संख्या लगभग 40 करोड़ है और पहले ये श्रमिक औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था से बाहर थे। ये प्रावधान भारत में श्रमिकों के अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा कवरेज का ऐतिहासिक विस्तार प्रस्तुत करते हैं।

जापान में सना ए. ताका इची को प्रचंड जनादेश और विपक्ष का सूपड़ा साफ कर जनता ने क्या संदेश दिया?

इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी और यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। जापान में निचले सदन के चुनाव परिणाम ने देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। इस चुनाव में प्रधानमंत्री सना ए. ताका इची के नेतृत्व वाली लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने अभूतपूर्व जीत हासिल की है। पहले चरण के मतगणना के परिणामों के अनुसार ताका इची की पार्टी अकेले ही निचले सदन में 316 सीटें जीतने में सफल रही तथा उसने गठबंधन सहयोगी के साथ मिलकर कुल 352 से अधिक सीटों का दो–तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। इस प्रकार वह अकेले ही अपनी पार्टी के बहुमत से कहीं आगे निकल गईं और विपक्ष को भारी पराजय का सामना करना पड़ा।इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी और यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। चुनाव के दिन भी देश के कई हिस्सों में जोरदार बर्फबारी और ठंडे मौसम के कारण मतदान केन्द्रों पर कठिन परिस्थितियाँ पैदा हुईं, लेकिन इसके बावजूद मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षाकृत मजबूत रही। यह दर्शाता है कि जापानी जनता ने ठंडे मौसम और मुश्किल हालात के बावजूद महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसले में भाग लेने की प्रतिबद्धता दिखाई।इस चुनाव में विपक्षी दलों को जिस प्रकार की पराजय मिली, वह जापानी राजनीति के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा घटनाक्रम था। मुख्य विपक्षी गठबंधन और छोटे दलों ने जिस तरह अपनी सीटें गंवाईं, उससे स्पष्ट होता है कि इस समय जनता ने ताका इची के नेतृत्व को अधिक भरोसेमंद और स्थिर विकल्प के रूप में चुना। अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के पीछे मुख्य कारण आर्थिक और सामाजिक मुद्दों के साथ सुरक्षा नीतियों पर मतदाताओं की चिंताएँ थीं, जिनके प्रति उन्होंने ताका इची की स्पष्ट सोच को प्राथमिकता दी।ताका इची की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा जा सकता है कि यह सिर्फ संख्या की जीत नहीं है, बल्कि यह एक राजनैतिक विश्वास का जनादेश भी है। जापान पिछले कुछ वर्षों से बढ़ते आर्थिक दबाव, बुजुर्ग आबादी से जुड़ी सामाजिक चुनौतियों और बढ़ते क्षेत्रीय तनावों के बीच अपना रास्ता ढूंढ़ रहा है। चीन के साथ संबंधों में तनाव, ताइवान को लेकर बदलती भू–राजनीति तथा अमेरिका के साथ सुरक्षा साझेदारी जैसी विषयों को लेकर जनता के भीतर मजबूत भावनाएँ हैं। ताका इची ने चुनाव के दौरान स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया था कि जापान को न केवल आर्थिक सुधारों की आवश्यकता है बल्कि उसे अपनी रक्षा और वैश्विक भूमिका को भी मजबूती से परिभाषित करना होगा। हम आपको बता दें कि सना ताका इची स्वयं एक लंबा राजनीतिक अनुभव लिये हुए हैं। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा 1990 के दशक में संसद सदस्य के रूप में शुरू की थी और समय–समय पर कई महत्वपूर्ण विभागों तथा मंत्रालयों में काम किया। अपने अनुभव, दृढ़ नीतियों और स्पष्ट विचारधारा के कारण उन्हें पार्टी में एक मजबूत छवि मिली। वह इस चुनाव से पहले जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं और इस जीत ने उन्हें अपनी पार्टी तथा जनता दोनों से मजबूत समर्थन दिलाया है। ताका इची ने अपने राजनीतिक कॅरियर में व्यापक विषयों पर सार्वजनिक रूप से अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया है, जिनमें आर्थिक नीतियाँ, सामाजिक सुधार, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा जापान की अंतरराष्ट्रीय भूमिका शामिल हैं।उनके नेतृत्व में पार्टी की जीत का एक प्रमुख कारण यह भी बताया जा रहा है कि उन्होंने आर्थिक स्थिरता, रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को चुनाव में प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया। जापान की अर्थव्यवस्था बड़े कर्ज, कम उत्पादन वृद्धि और बढ़ते जीवनयापन लागत जैसी समस्याओं का सामना कर रही थी, जिनके समाधान के लिये जनता अधिक ठोस नीतियों की उम्मीद कर रही थी। ताका इची ने यह विश्वास दिलाया कि उनकी सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिये गंभीर प्रयास करेगी और एक दीर्घकालिक आर्थिक सुधार योजना लागू करेगी।सुरक्षा मामलों में उनकी विचारधारा और भी अधिक स्पष्ट रही है।

औशंकराचार्य वाला विवाद खड़ा

हरिशंकर व्यास

सोशल मीडिया में कहा जा रहा है कि साजिश के तहत यूजीसी के नियम जारी किए गए। औशंकराचार्य वाला विवाद खड़ा किया गया। कई लोगों ने कहा कि नरेंद्र मोदी को कमजोर करने और उनके सबसे निष्ठावान वोट को उनसे अलग करने के लिए किसी ने अंदर से साजिश की और यूजीसी का नियम जारी हुआ। कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री को इसका अंदाजा हो गया इसलिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इस पर रोक लगाने का विरोध नहीं किया। सवाल है कि जिस पार्टी में नेता, मंत्री, अधिकारी सब ऊपर के आदेश से ही सांस लेते हैं वहां किसने ऐसा करने की साजिश की?भाजपा इकोसिस्टम के लोग शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को निशाना बना रहे हैं। वे पिछड़ी जाति से आते हैं और खुल कर पिछड़ा राजनीति करने में यकीन करते हैं। कहा जा रहा है कि ओडिशा का मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने के बाद जब भाजपा का अध्यक्ष पद भी हाथ से निकला तो संसदीय समिति की सिफारिशों में अदलाबदली करके प्रधान ने ऐसा नियम जारी करवा दिया, जिससे पार्टी फंसी। शंकराचार्य वाले मामले को दिल्ली बनाम लखनऊ के विवाद और साजिश के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि दिल्ली के इशारे पर सब कुछ हुआ है।यूजीसी नियमों में साजिश का दूसरा पहलू दिल्ली बनाम लखनऊ के विवाद के तौर पर पेश किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि जान बूझकर अगड़ा बनाम पिछड़ा का मुद्दा बनाया गया और अगड़ों के विरोध को खूब फैलाया गया। ध्यान रहे उत्तर प्रदेश में बाकी किसी भी राज्य के मुकाबले अगड़ी जातियां खास कर ब्राह्मण, राजपूत और भूमिहार सबसे ज्यादा हैं। अगर वे भाजपा से नाराज होते हैं तो अगले साल के चुनाव में उसे बड़ा नुकसान हो सकता है। लेकिन अगर इसका उलटा हो गया तो क्या होगा? अगर अगड़े नाराज हुए और सचमुच पिछड़े भाजपा के पक्ष में गोलबंद हो गए तब तो यह दांव मास्टरस्ट्रोक बन जाएगा?हालांकि साजिश थ्योरी वाले इसे नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि 18 फीसदी मुस्लिम और 10 फीसदी यादव तो पूरी तरह से सपा के साथ हैं। 20 फीसदी दलितों में से हर हाल में 10 फीसदी दलित मायावती का साथ देंगे। अगर 20 से 22 फीसदी सवर्ण भाजपा से छिटके तो भाजपा बुरी तरह से हारेगी। तभी साजिश थ्योरी वाले इसे योगी आदित्यनाथ को कमजोर करने की साजिश के तौर पर देख रहे हैं। इसी तरह, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के पिछले दिनों देश के एक बडे उद्योगपति के यहां जाने की तस्वीरें प्रसारित की जा रही हैं और कहा जा रहा है कि योगी आदित्यनाथ को कमजोर करने के लिए यह साजिश रची गई। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शंकराचार्य के प्रति सद्भाव दिखाया और उनसे अनशन समाप्त करने की अपील की थी। इस पर कहा जा रहा है कि वे दिल्ली के नेता के करीबी हैं। इसलिए उन्होंने अलग लाइन पकड़ी।अब सवाल है कि अगर कोई साजिश थी तो योगी आदित्यनाथ को किसने रोका था कि वे अपने प्रशासन के लोगों को शंकराचार्य के पास भेजें और मामला खत्म कराए? उनको मनाने का जो काम शंकराचार्य के माघ मेला छोड़ने के बाद किया गया वह पहले भी हो सकता था। जो हो इन दोनों घटनाओं ने देश की राजनीति में नए सिरे से

आज का राशिफल

मेष राशि
आज लोगों का विश्वास आपमें बना रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्ति के इच्छुक छात्र के लिए समय बहुत अनुकूल है। आज छोटे भाई की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा।

वृष राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। इस राशि के जो लोग आर्किटेक क्षेत्रों से जुड़े हैं,उनके लिए आज का दिन प्रगति देने वाला है। किसानों को आज कुछ फायदा हो सकता है।

मिथुन राशि–
आज आप दूसरों की मदद करने के लिए तैयार रहेंगे। उनकी दुवाओं का असर शाम तक आपको जरूर मिलेगा। ऑफिस में आज कुछ नयी जिम्मेदारियां आपको मिल सकती हैं ।

कर्क राशि–
आज आपका दिन ठीक रहेगा। किसी जरूरी काम को पूरा करने में आ रही अड़चने आज दूर हो जाएंगी। आज किसी ऐसे मित्र की मदद करेंगे जो भविष्य में आपकी मदद कर सकता हैं।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए अच्छा है। जिस अच्छे मौके की आप कई दिनों से इंतजार कर रहे थे वो आज पूरा हो जाएगा। ऑफिस में आज रूके हुए काम सीनियर्स की मदद से पूरे हो जाएंगे।

कन्या राशि–
आज किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी। बिजनेस में दूसरों से बातचीत करने और सलाह करने से आपको फायदा हो सकता है। आर्थिक पारिस्थितियां आज आपके अनुकूल रहेगी।

तुला राशि–
आज आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान अपनी तरफ खींचेगा। आज आप परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। साथ ही कहीं घुमने का प्लान भी बना सकते हैं।

वृश्चिक राशि–
आज विवाहित अपने जीवनसाथी को अधिक टाइम देंगे तो दोनों के रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। हो सकता है शाम तक किसी समारोह में साथ जाने का भी प्लान बना सकते हैं ।

धनु राशि–
आज आपका दिन खास रहेगा। आज अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातों को समझने की कोशिश करें। इससे भविष्य में आपको ही फायदा होगा। आज व्यवहार कुशलता के कारण ऑफिस में बड़े अधिकारियों से सम्मान मिल सकता है।

मकर राशि–
आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज किसी अन्य से आपकी अनबन हो सकती है। बेहतर होगा आज दूसरों की बात पर भरोसा न करें।

कुम्भ राशि–
आज अपने व्यवहार में आपको थोडा परिवर्तन करने की जरूरत है। आपके अच्छे व्यवहार से आस–पास के लोग आपसे खुश रहेंगे साथ ही आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी।

मीन राशि–
आज आपका मन आध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। परिवार वालों के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जा सकते हैं। जिससे परिवार में सभी सदस्यों के रिश्ते मजबूत बनेंगे। इस

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 10 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

मंदिर गई युवती से दुष्कर्म, गुस्साए ग्रामीणों ने जलाई बाइक

राजापुर (चित्रकूट)। थाना क्षेत्र के एक गांव में शिव मंदिर के पास एक युवती के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।शनिवार की शाम थाना क्षेत्र के एक गॉव मे शाम करीब सात बजे एक युवती मंदिर में दीपक जलाने गई थी। इसी दौरान एक युवक जो मंदिर के पीछे पहले से घात लगाए बैठा था और अचानक युवती को दबोच लिया। युवक ने दुपट्टे से युवती का मुंह और हाथ बांध दिए तथा उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। काफी देर तक युवती के घर न लौटने पर परिजन चिंतित हो गए और उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान परिजन मंदिर परिसर पहुंचे। जहां उन्होंने आरोपी को युवती के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा। परिजनों द्वारा शोर मचाने पर आरोपी मौके पर अपने कपड़े छोड़कर फरार हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने एक बाइक को भी जला दिया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस हरकत में आई और पीड़िता के पिता की तहरीर पर थाना राजापुर में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। बाइक के नम्बर के आधार पर जानकारी हांसिल की जा रही है। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर उसे चिकित्सकीय परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।घटना की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह व क्षेत्राधिकारी राजकमल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि यह एक अत्यंत गंभीर अपराध है। पीड़िता को हर संभव सुरक्षा और न्याय दिलाने के लिए पुलिस पूरी तत्परता से काम कर रही है। आरोपी की गिरतारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। वहीं प्रभारी निरीक्षक लाखन सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गांव में 12वीं बटालियन पीएसी फतेहपुर को तैनात किया गया है।

दुर्भावना से बनी फिल्में नाम बदलकर भी रिलीज नहीं होनी चाहिए रू शैलेन्द्र अग्रहरि

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रतिनिधि मण्डल ने फिल्म के खिलाफ आंदोलन को दिया समर्थन

मीरजापुर। किसी फिल्म का शीर्षक उसकी मूल भावना होती है। शीर्षक ही पूरे फिल्म का सार होता है। हाल ही में आयी फिल्म घूसखोर पंडत जिसका शीर्षक केवल आपत्तिजनक ही नहीं, यह बेहद अपमानजनक भी है। ऐसी भावना से बनी फिल्में नाम बदलकर भी रिलीज नहीं होनी चाहिए। फिल्में देश और समाज को दिशा देती हैं। ऐसे शीर्षक आधारित फिल्में अपनी सोच से समाज में विघटन उत्पन्न करती हैं। यह शीर्षक बेहद आपत्तिजनक है। यह बेहद दुःख और चिंता का विषय है कि फिल्म का मुहूर्त इन्ही बुद्धिजीवी विप्र समाज के लोगों से कराया जाता है फिर इन्ही को अपमानित करने की सोच के साथ ऐसी फिल्मे बनायी जाती है। जब तक फिल्म बनाने वालों को आर्थिक हानि नहीं होगी, तब तक ऐसी सोच पर आधारित फिल्में बनाना बंद नहीं होगी।

जातियों में विभेद फैलाने की कोशिशें बढ़ी है। बृहद समाज में किसी भी जाति के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्हें अपमानित करने का कोई अधिकार नहीं है, उनके इतिहास और योगदान से सीखने की जरूरत है। आज ब्राह्मण समाज को दुर्भावना ग्रसित लक्ष्य पर रखा जा रहा है। अगर चुप रहे तो आगे यह विभेधात्मक और अपमानजनक कुत्सित प्रयास अन्य किसी भी जाति धर्म के साथ भी हो सकता है। वैश्य समाज ने सदैव सनातन संस्कृति और समाज में सद्भाव के लिए काम किया है। सामाजिक सद्भावना को बिगाड़ना वाले तत्वों के खिलाफ पूरा वैश्य समाज एकजुट हो ब्राह्मण समाज के साथ खड़ा है। विप्र समाज सदैव सनातन संस्कृति का अगवा रहा है उन्होंने समाज को राह दिखाने का काम किया है। उनका अपमान संपूर्ण देश का अपमान है जो सनातन संस्कृति को तोड़ने की साजिश है। ऐसी जाति सूचक शीर्षक पर आधारित फिल्म का वैश्य समाज विरोध करते हुए इसकी घोर निंदा करता है। ये बाते कहते हुए अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री शैलेंद्र अग्रहरी के साथ पदाधिकारियों ने विंध्याचल धाम में ज्योर्तिमठ के गौ प्रवक्ता पंडित शुभम मिश्रा एवं काली खोह मंदिर के प्रधानअर्चक आचार्य अगस्त मुनि द्विवेदी जी को अपना समर्थन पत्र सौंपा और केंद्र सरकार को संबोधित पत्र की छाया प्रति भी संलग्न की साथ ही इसके लिए होने वाले किसी भी आंदोलन में अपना पूर्ण सहयोग व समर्थन देने का वादा किया। इस दौरान अतिन कुमार गुप्ता, अनुज उमर भी उपस्थित रहे।

ग्रामोदय महोत्सव : वालीबॉल और कबड्डी की हुई प्रतियोगिता

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय ग्रामोदय महोत्सव का शुभारंभ ग्रामोदय विश्वविद्यालय के शाश्वत प्रेरणाश्रोत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और संस्थापक कुलाधिपति भारतरत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए ग्रामोदय महोत्सव के मुख्य संयोजक प्रो नन्द लाल मिश्रा ने कहा पांच दिवसीय इस समारोह पर खेलकूद, बौद्धिक, सांस्तिक, ललितकला प्रतियोगिताये होंगी। सहसंयोजक प्रो ललित कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामोदय व्याख्यान माला, .षि गोष्ठी एवं समसामयिक विषयों पर चर्चा सत्र आयोजित किए जाएंगे। ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित गतिविधियों पर केंद्रित प्रदर्शनी और सांस्तिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। पहले दिन खेल परिसर में वालीबॉल और कबड्डी की अंर्तसंकायी प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसका संयोजन खेल अधिकारी डॉ विनोद कुमार सिंह ने किया। खेल प्रतियोगिता में डॉ विजय सिंह, डॉ धनंजय सिंह सहित छात्र, छात्राओं ने हर्ष और उल्लास के साथ सहभागिता की।

बंधवा गांव में 51 कोल परिवारों को बांटे गए कंबल

चित्रकूट। अखिल भारतीय समाजसेवा संस्थान द्वारा संचालित ठंड राहत सहयोग अभियान के अंतर्गत मानिकपुर विकासखंड की रामपुर कल्यानगढ़ पंचायत के बंधवा गांव में 51 कोल परिवारों को कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम मानिकपुर मोहम्मद जसीम रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ कोल समुदाय की बच्चियों द्वारा प्रस्तुत प्रेरणादायी गीत से हुआ। इसके पश्चात संस्थान के संस्थापक गोपाल भाई ने अभियान की पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि दिसंबर माह में देश के सुप्रसिद्ध विचारक व पत्रकार अखिलेश आर्यंदु ने अखिल भारतीय समाजसेवा संस्थान के सहयोग से पाठा क्षेत्र के गांवों का भ्रमण किया था। इस दौरान कोल परिवारों ने ऐसे कैसे कटिए ठिठुरन भरी रातें गीत के माध्यम से अपने दर्द को व्यक्त किया। इस गीत से प्रभावित होकर शाहदरा दिल्ली के उद्योगपति रामनाथ लूथरा एवं प्रशांत लूथरा ने सहयोग का हाथ बढ़ाया और चित्रकूट पहुंचकर कंबल व गर्म वस्त्र वितरण किया। मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी मोहम्मद जसीम ने संस्थान व सहयोगियों के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने संस्थान को निरंतर इसी प्रकार सेवा कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के अजीत, पूजा, विकास, चुन्नूराम आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

आग से धान जलकर राख के ढेर में हो गया तब्दील

राजापुर (चित्रकूट)। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रायपुर के पास तिवारी पुलिया के समीप एक धान के गोदाम में विद्युत की शार्ट सर्किट से धान जलकर राख के ढेर में तब्दील हो गया। श्रेया अन्न भंडार की प्रोपराइटर प्रतिमा देवी पत्नी लक्ष्मी प्रसाद ने बताया कि गोदाम में क्रय विक्रय का 3690 कुंटल धान रखा हुआ था। शनिवार की रात गोदाम में रखा धान विद्युत की शार्ट सर्किट से आग लगने से जलकर राख के ढेर में तब्दील हो गया है। उन्होंने बताया कि गोदाम में गज्जू मुंशी रहता था जो रात में खेत मे पानी लगाने के लिए चला गया था। सुबह जब गोदाम पहुंची तो देखा कि धान की बोरियां धू–धू कर जल रही थीं और काफी मात्रा में धान भी जल गया था। गोदाम में आग लगने की खबर डायल 112 व फायर ब्रिगेड को दी गई। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन उसके पहले लाखों रूपये का धान जल गया। घटना की सूचना पाकर क्षेत्रीय लेखपाल आनन्द कुमार मौके पर पहुंच जानकारी ली। क्षति का आंकलन करते हुए रिपोर्ट राजापुर तहसील में भेजी है।

शिवशक्तिकी अखंड साधना से जागेगा सनातन चेतना का महायज्ञ

चित्रकूट। जहां कण–कण में शिव का वास है और जहां साधना स्वयं श्वांस बन जाती है उसी धर्मनगरी चित्रकूट में सनातन परंपरा का विराट उद्घोष होने जा रहा है। शंकराचार्य विजयतेतराम की पुण्य परंपरा को आगे बढ़ाते हुए श्री शिवशक्ति महायज्ञ एवं राजराजेश्वरी महाआराधना का दिव्य एवं अलौकिक आयोजन 7 से 15 फरवरी तक किया जा रहा है। यह महायज्ञ केवल अनुष्ठान नहीं बल्कि शिव और शक्ति के अद्वैत तत्त्व का जीवंत साक्षात्कार है। आयोजन पूर्वाम्नाय गोवर्धनमठ पुरी पीठाधीश्वर, जगद्गुरु शंकराचार्य अनंतश्री विभूषित स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा। उनके दिव्य मार्गदर्शन में वेद, उपनिषद और शाक्त परंपरा की अखंड धारा पुनः प्रवाहित होगी। जगद्गुरु शंकराचार्य ने स्पष्ट किया कि जब समाज धर्म से विमुख होता है तब ऐसे महायज्ञ सनातन आत्मा को पुनर्जीवित करते हैं। उन्होंने कहा कि शिव चेतना और शक्ति उपासना के बिना जीवन अपूर्ण है और राष्ट्र तभी सशक्त होगा जब उसकी जड़ें धर्म में .ढ़ होंगी। आदि शंकराचार्य की दिव्य छवि और मां राजराजेश्वरी की महिमा श्रद्धालुओं के हृदय में आस्था की ज्योति प्रज्वलित कर रही है। यज्ञशाला में गूंजते वैदिक मंत्र, अग्नि में अर्पित आहुतियां और देवी स्तुति से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित हो उठा है। आयोजन को लेकर संत समाज, विद्वान आचार्य और हजारों श्रद्धालुओं में गहरा उत्साह देखा जा रहा है।

मुख्य वन संरक्षक ने ड्रमंडगंज वनरेंज का निरीक्षण कर मातहतों को दिया आवश्यक निर्देश

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। मुख्य वन संरक्षक सुशांत शर्मा ने को ड्रमंडगंज वन रेंज का निरीक्षण कर अधिकारियों, कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया। मुख्य वन संरक्षक ने कटरा कंपार्टमेंट नंबर एक में बीस हेक्टेयर में कराए जा रहे अग्रिम मृदा कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिया। वन क्षेत्र में विगत वर्षों में रोपे गए पौधों के नदारद होने पर नाराजगी जताई। रेंजर वीरेंद्र कुमार तिवारी और मौजूद वनकर्मियों को वनों तथा वन्य जीवों की सुरक्षा में लापरवाही नही बरतने की हिदायत दी। मुख्य वन संरक्षक ने सुखड़ा पौधशाला में चार हेक्टेयर भूमि में तीन लाख सत्तानवे हजार अवशेष पौधों के साथ एक लाख वर्तमान आम, अमरुद , आंवला, महुआ, आंवला , चिलबिल, सागौन,कट सागौन,करंज बांस,नीम आदि प्रजाति के उगाए जा रहे पौधों का निरीक्षण किया। पौधों की समय–समय से सिंचाई व समुचित देखभाल करने के लिए कहा कि पौधौ के रखरखाव में अगर किसी प्रकार की कोई कमियां आती है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कथावाचक डा.अजय पांडेय महाराज ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का किया भावपूर्ण वर्णन

लालगंज, मीरजापुर। मुरघुरा गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन रविवार को कथावाचक डॉ अजय पांडेय महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने छप्पन भोग की विशेषता बताई। उन्होंने गोवर्धन पर्वत की महिमा और पूतना वध प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो और हरि बोल के जयकारों से गूंज उठा। कथावाचक ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का जिक्र किया। उन्होंने माखन चोरी और यशोदा मैया की ममता के प्रसंग सुनाए। उन्होंने कहा कि बाल सुलभ चंचलता में ही भगवान का सहज स्वरूप छिपा है। छप्पन भोग के बारे में उन्होंने कहा कि यह भक्त के समर्पण का प्रतीक है। इसमें ईश्वर के प्रति पूर्ण निष्ठा झलकती है। गोवर्धन पर्वत की कथा सुनाते हुए महाराज ने कहा कि भगवान ने इंद्र के अभिमान को चूर किया। उन्होंने पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की। यह प्रसंग सिखाता है कि भक्ति के सामने अहंकार टिक नहीं सकता।पूतना वध के प्रसंग में कहा कि भगवान ने शत्रु पूतना को भी मां का दर्जा दिया। उन्होंने उसे मुक्ति प्रदान की। यह ईश्वर की व्यापक करुणा को दर्शाता है। वह शत्रु में भी मातृत्व देखते हैं। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे रहे। कई भक्तों की आंखें नम हो गईं। इस मौके पर रामकिंकर दुबे और रामलाल दुबे उपस्थित रहे।

जमीन हड़पने के लिए जानलेवा हमला छह लोग गंभीर हुए चक्का जाम

जौनपुर।लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला मीरपुर में दबंगों के एक गिरोह ने जमीन हड़पने की साजिश में एक पक्ष के युवक को घर बुलाकर उसपर जानलेवा हमला कर दिया। बचाने के लिए गई महिलाएं और पुरुषों को भी पीटकर जख्मी कर दिया। दबंगई से त्रस्त ग्रामीणों ने शाहगंज बाईपास पर चक्का जाम कर दबंगई का विरोध जताया। घटना रविवार सुबह लगभग 8:30 बजे की है। सावन कुमार मौर्य उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र जय सिंह मौर्य अपने घर पर मौजूद थे। एक व्यक्ति चल रहे विवाद को बातचीत से हल करके निपटा लेने के बहाने बुलाकर विपक्षी के घर ले गया। जैसे ही सावन दबंग के घर पहुंचा वैसे ही उसपर चाकू लाठी डंडे से हमला कर दिया गया।घटना की जानकारी जब सावन के परिजनों को लगी तो सभी लोग भाग कर वहां पहुंचे, जहां उनके पुत्र को बेरहमी से पीटा जा रहा था। परिजनों को देखकर दबंगों ने उनपर भी जानलेवा हमला कर दिया। मौके पर पहुंची सावन की मां किरण देवी नानी प्रेम देवी उम्र लगभग 75 वर्ष पत्नी शिवाजी मौर्य नीरज मौर्य पुत्र शिवाजी मौर्य धीरज मोर्य को भी पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सभी घायल जमीन पर गिरकर तड़प रहे थे। सूत्र बताते हैं कि जिस समय दबंग घटना को अंजाम दे रहे थे बड़ी संख्या में लोग तमाशाई बने देख रहे थे। दबंग घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। तब लोगों ने सभी घायलों को उपचार हेतु जिला अस्पताल ले गये। दबंगों ने इतनी बुरी तरह से पीटा है कि किरण देवी का हाथ और पैर दोनों टूट गया है। इस घटना में घायल सभी लोगों की हड्डियां कहीं ना कहीं से टूट गई है। घटना के बारे में बताया गया है कि किरन देवी की माता प्रेम देवी के नाम एक कीमती जमीन है जिसको दबंग जबरदस्ती हथियाना चाहता है। पीड़ित किरण देवी का कथन है कि आज की घटना के पूर्व यह विवाद लगभग ढाई साल से चल रहा है। दबंगों द्वारा कई बार उसके परिवार पर हमला किया गया है जिसमें पुलिस द्वारा हल्की धाराओं में मामला दर्ज करने के कारण प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई जिसके कारण आज घटना घटित हो गई। लगातार दबंगों द्वारा हो रही घटनाओंसे आक्रोशित ग्रामीणोंने चौकियां चौराहे शाहगंज जौनपुर मार्ग पर चक्का जाम कर विरोध जता रहे और दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। चक्का जाम के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। फिलहाल यह कहना कुछ गलत नहीं होगा कि स्थानीय थाने की पुलिस और चौकिया पुलिस इस क्षेत्र में जमीनी विवाद में जमकर लाभ लेने के चक्कर में विवाद बढ़ाने में कुछ कम नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही सूबे के मंत्री गिरीश चंद यादव जो शहरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक भी हैं जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल चाल लिया। कुछ ही देर में जिलाधिकारी एसपी सिटी समेत कई पुलिस के आला अधिकारी भी पहुंच गए। सभी अधिकारियों ने कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इस घटना में घायल सावन कुमार मौर्य को गंभीर चोट लगने के कारण ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया है। परिजनों का यह भी आरोप है की हमलावरों ने घायलों का मोबाइल फोन भी छीन लिया है और बाइक भी तोड़ दिया है। इस क्षेत्र में हो रही लगातार घटने से संपूर्ण क्षेत्रवासी दहशत के साए में जी रहे हैं।

तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा जेल

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के दो अलग अलग गांवों से रविवार को तीन वारंटियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। न्यायालय द्वारा बार बार नोटिस दिए जाने के बाद भी न्यायालय में हाजिर नहीं होने पर इंद्रवार गांव निवासी वारंटी कृष्ण कुमार सिंह तथा रतेह गांव निवासी माधव चौरसिया व चिन्ता चौरसिया को एसआई त्रिलोचन प्रताप सिंह, एसआई मूलचंद वर्मा हेड कांस्टेबल संतोष यादव कांस्टेबल कुलदीप कुमार ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।इस संबंध में थानाध्यक्ष भारत सुमन ने बताया कि न्यायालय द्वारा जारी वारंट के अनुपालन में दो अलग–अलग गांवों से तीन वारंटियों गिरफ्तार वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया है।

नगर में व्यापक अभियान शुरू किया

जौनपुर। नगर पालिका परिषद ने शहर में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत, शहर की बंद पड़ी नालियों की बड़े पैमाने पर सफाई कराई जा रही है।सफाई निरीक्षक विजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में यह अभियान ओलंदगंज से पॉलिटेक्निक चौराहा, काली कुट्टी, नईगंज और रुहट्टा जैसे विभिन्न मोहल्लों में चलाया गया। नाला गैंग के कर्मचारियों को लगाकर नालियों की गहन सफाई सुनिश्चित की गई, जिसकी स्थानीय निवासियों ने सराहना की।नगर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए चलाया जा रहा है और यह समय–समय पर जारी रहेगा। अधिशासी अधिकारी ने नागरिकों से अपील की कि वे भी इस स्वच्छता अभियान में सहयोग करें, कूड़ा समय पर बाहर निकालें और सड़कों पर न फेंकें। सफाई इंचार्ज अरविंद सिंह ने जानकारी दी कि वे अपने क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों में नियमित रूप से सफाई करवाते रहते हैं। यदि कहीं कोई शिकायत मिलती है, तो तुरंत मौके पर पहुंचकर कर्मचारियों को लगाकर सफाई कराई जाती है।अधिशासी अधिकारी पवन कुमार ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुसार नगर में हर तरफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कर्मचारी लगातार क्षेत्र में रहकर सफाई करते रहते हैं। जहां कहीं भी कूड़े के ढेर, नालियों से पानी न निकलने की शिकायम मिलती है उसे दुरूस्त कराया जाता है।

पुलिस नें बकरी चोर को गिरफ्तार कर चोरी का बकरा व बाइक किया बरामद

मड़िहान मीरजापुर। थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर पर बीते 7 फरवरी 2026 को वादी लालजी यादव पुत्र शिवानन्द यादव निवासी मगरमुंडे थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध बकरी चोरी के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। उक्त के सम्बन्ध में बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी आपरेशन के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना मड़िहान को अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने हेतु निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना मड़िहान पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए रविवार को थाना मड़िहान पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित आरोपी रामाश्रय पुत्र स्व जवाहिर निवासी मराची थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर मौके से चोरी की बकरी बरामद किया गया।

आज आश्रम परिसर में निर्माणाधीन नए भवन में दी जाएगी समाधि

चित्रकूट। यूपी–एमपी की सीमा स्थली पर स्थित प्रसिद्ध धारकुंडी आश्रम के संस्थापक महंत स्वामी परमहंस सच्चिदानन्द महाराज का पार्थिव शरीर दोपहर को भक्तो के अंतिम दर्शन के लिए चित्रकूट पहुंचा। महाराज के ब्रह्मलीन होने की जानकारी होते ही रविवार को तड़के से ही हजारो शिष्य आश्रम के परिसर में पहुंच गए। मप्र के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री समेत छह से अधिक मंत्रियो और संत–महंतो व विद्वतजनो ने उन्हे श्रद्धांजलि दी। चित्रकूट, सतना के डीएम, एसपी समेत भारी पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था के लिए सुबह से रात तक डटे रहे। सोमवार को महाराज को आश्रम परिसर में ही समाधि दी जाएगी।धारकुंडी आश्रम के संस्थापक स्वामी परमहंस सच्चिदानन्द महाराज ने शनिवार की दोपहर को मुम्बई के बदलापुर स्थित आश्रम में 102 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार समाधि चित्रकूट के धारकुंडी आश्रम में देने के लिए विशेष विमान से महंत स्वामी अडगडानंद महाराज समेत चार सौ गाड़ियों का काफिला रविवार को तड़के ही धारकुंडी पहुंच गया। ब्रह्मलीन महाराज का पार्थिव शरीर विशेष कार से सड़क मार्ग से लाया गया। जगह–जगह उनके शिष्यो ने रास्ता रोक कर ब्रह्मलीन महाराज के दर्शन कर अंतिम विदाई दी। दोपहर एक बजे उनका पार्थिव शरीर धारकुंडी आश्रम पहुंचा तो मानो भक्तो का सब्र टूट पड़ा। उनके वाहन पर फूलमालाओ की बारिश के साथ भक्तो ने हाथ जोड़कर प्रणाम किया। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, के अलावा चित्रकूट यूपी व सतना एमपी के डीएम, एसपी व अन्य अधिकारियों ने फूलमाला के साथ उनके चरण छूकर नम आंखों से श्रद्धांजलि दी।

विशेष कार की सीट पर बैठी मुद्रा में लाया गया महंत का पार्थिव शरीर

चित्रकूट। ब्रह्मलीन स्वामी परमहंस सच्चिदानन्द महाराज को विशेष कार की सीट पर बैठी मुद्रा में लाया गया। इससे रास्ते भर भक्तो को उनके दर्शन करने में परेशानी नहीं हुई। आश्रम परिसर में भी इसी मुद्रा में महाराज को सबसे पहले उनके बैठक कक्ष, प्रवचन कक्ष के बाद परिसर में भक्तो के दर्शन के लिए रखा गया। परिसर के मुख्य द्वार के पास ब्रह्मलीन महंत की अंतिम इच्छा अनुसार उनका नया समाधि स्थल तैयार कराया गया है। आश्रम के संत रामायण बाबा व संजय बाबा ने बताया कि दिवंगत परमहंस स्वामी ने कई माह पहले ही संकेत दिए थे कि उनका समाधि स्थल यहां पर बनाया जाए। यह अभी निर्माणाधीन है। महाराज की समाधि के बाद इस स्थल का रंगरोगन कराया जाएगा।

सेवादारो ने भक्तो के प्रसाद व ठहरने का किया इंतजाम

चित्रकूट। ब्रह्मलीन महंत के अंतिम दर्शन के लिए दूरदराज से हजारों भक्त विभिन्न रास्तो से धारकुंडी आश्रम पहुंचे। इस दौरान मानिकपुर के भक्त नीलकमल शुक्ला व जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने आश्रम के रास्ते पर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में भक्तो के प्रसाद का इंतजाम किया। इसके अलावा आश्रम के आसपास के सभी मंदिरो में भक्तो के ठहरने व प्रसाद का इंतजाम धारकुंडी आश्रम के सेवादारो द्वारा जारी रहा।

पीएम धनधान्य योजना की डीएम ने की समीक्षा

चित्रकूट। प्रधानमंत्री धन धान्य योजना की समीक्षा बैठक डीएम की अध्यक्षता में हुई। आउट पुट एवं आउट कम इण्डीगेटर की समीक्षा करते हुये निर्देशित किया गया कि माह जनवरी की प्रगति डैशबोर्ड पर सोमवार तक सभी विभाग फीड करा दें। जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया कि स्प्रिंकलर एवं माईक्रो इरीगेंशन द्वारा सिंचित क्षेत्रफल के लक्ष्य को समय से पूर्ण किया जाये। अन्य विभागीय अधिकारी भी अपने–अपने इण्डीगेटर की प्रगति समय से पूर्ण करना सुनिश्चित करें।वर्ष 2026–27 की कार्य योजना की समीक्षा करते हुये सभी सम्बन्धित विभागों के निर्देशित किया गया कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित वित्तीय लक्ष्य से दो गुना कार्य योजना तैयार किये जाएं। उप .षि निदेशक ने अवगत कराया कि आरकेवीयाई, एनएमएईओ ओएस एवं नेशनल मिशन नेच्युरल फार्मिंग के अन्तर्गत बीज वितरण, .षि यंत्र एवं योजनाओं से सम्बन्धित अन्य कार्यों को भी सम्मिलित किया जाना है। इसी प्रकार अन्य विभागों द्वारा अपने विभाग में संचालित योजनाओं के अन्तर्गत कार्य तैयार की जानी है। डीएम` ने निर्देशित किया कि जनपद की वित्तीय आउट लेट 26.32 करोड के अनुसार सभी विभाग कार्य योजना बनाकर उप कृषि निदेशक को उपलब्ध करा दें। जिससे संकलित सूचना समय से भेजी जा सके। बैठक में सीडीओ डीपी पाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक .षि विज्ञान केन्द्र, जिला, उद्यान अधिकारी, जिला .षि अधिकारी सहिहत अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

डा.प्रतिभा सिंह का असिस्टेंट प्रोफेसर पर चयन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, से सम्बद्ध राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, के हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका डॉ.उर्मिला सिंह के कुशल मार्गदर्शन में पी–एच.डी. उपाधि प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा डॉ० प्रतिभा सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी परीक्षा में सफलता अर्जित की।राज कॉलेज के पूर्व छात्र अश्वनी तिवारी ने बताया कि, डॉ.प्रतिभा की शोध मौखिकी परीक्षा शीर्षक स्त्री विमर्श में प्रमुख महिला कथाकारों (स्वातंत्र्योत्तर) का कथा साहित्य पर विश्वविद्यालय के शोध सभागार में संपन्न हुई थी और कुलपति द्वारा नामित बाह्य विशेषज्ञ प्रो. सुनील विक्रम सिंह हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विवि थें। ज्ञात हो कि आजमगढ़ के करिया

गोपालपुर की मूल निवासी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से स्नातक एवं परास्नातक की उपाधि प्राप्त की और अब जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय, पोर्ट ब्लेयर (अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह) में नियुक्ति हुई है। इस उपलब्धि से बनारस, आजमगढ़ एवं जौनपुर के साथी शोधार्थियों में हर्ष एवं गौरव का वातावरण व्याप्त है।उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी माता अंजू सिंह, पिता रंजन सिंह, पति अतुल कुमार सिंह, भाई डॉ. ए. पी. सिंह तथा अपने समस्त गुरुजन के स्नेह, आशीर्वाद, मार्गदर्शन को दिया है। डॉ. प्रतिभा की यह सफलता युवाओं विशेषकर छात्राओं के लिए एक प्रेरणास्रोत है।इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर राज कॉलेज के प्राचार्य प्रो.शंभूनाथ , विभागाध्यक्ष हिन्दी प्रोफेसर सुधा सिंह, डॉ.उर्मिला सिंह,डॉ.रागिनी राय ,डॉ.मधु पाठक, डॉ.रमेश सोनी, डॉ. महेन्द्र त्रिपाठी टी.डी.कॉलेज , इलाहाबाद वि.वि. के प्रोफेसर सुनील विक्रम सिंह , डॉ. प्रियंबदा सिंह, आशीष चौरसिया, शोधार्थियों में अश्वनी तिवारी, मनोज कुमार, अभिषेक गुप्त, पूनम तिवारी, शिक्षाविदों, में प्रसन्नता है।

सेंट जोसफ स्कूल मे फेयरवेल समारोह का हुआ भव्य आयोजन

आजमगढ़ (आर एन एस)शिक्षा क्षेत्र मुहम्मदपुर के क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान सेंट जोसफ स्कूल मे रविवार को कक्षा 10 एवं 12 के बच्चों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मनीष राय द्वारा माँ सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं धूप वंदन करके किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन चंद्रभूषण राय व संचालन तुसार मिश्रा, संजना गुप्ता ने किया। छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति पेश की गई। कार्यक्रम में सर्वप्रथम कक्षा 9 और कक्षा 11 के छात्र–छात्राओं ने कक्षा 10 और कक्षा 12 के छात्र–छात्राओं के ऊपर पुष्प वर्षा करके उनका अभिवादन किया।उसके उपरांत अपने–अपने संबोधन में विद्यालय की छात्र–छात्राओं ने विद्यालय परिवार से जुड़ी अपने–अपने अनुभव को उपस्थित छात्र–छात्राओं के बीच साझा किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनीष राय ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग इसी मेहनत के साथ आगे बढ़ते रहिए और आगे चलकर डॉक्टर,इंजीनियर बनकर देश की सेवा कीजिए। अपने जीवन में विजन का एक बहुत बड़ा महत्व है इसके बिना कुछ भी संभव नहीं है और विजन को पूरा करने के लिए प्रतिदिन आपको पढ़ाई करना होगा और अपने विजन पर निरंतर आगे बढ़ना होगा। विद्यालय बनाना और बच्चों को अच्छी शिक्षा देना आज के समय में सबसे बड़ी समाज सेवा है।प्रधानाचार्य अरुण कुमार ने कहां की बच्चे एक कच्चे घड़े के समान होते हैं जिन्हें अध्यापक अपने पठन–पाठन से उनको एक दिशा देने का कार्य करते हैं उन्होंने छात्र–छात्राओं से कहा कि आगामी दिनों में आपकी परीक्षा है आप सभी लोग अपनी मेहनत और लगन के साथ परीक्षा दीजिए और अपना अपने परिवार व विद्यालय का नाम रोशन कीजिए। उप प्रधानाचार्य प्रदीप मिश्रा ने कहा कि हमें कर्म करना चाहिए फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए इसलिए आप सभी लोग पढ़ाई पर विशेष ध्यान दीजिए और आगे बढ़िये अगर आप पढ़ाई में ध्यान देंगे तो आपका रिजल्ट अवश्य अच्छा रहेगा। विदाई समारोह के कार्यक्रम में सभी अध्यापक अध्यापिकाएं व छात्र–छात्राएं भावुक नजर आए। जनवरी माह में हुए ळड्ड, ळै की परीक्षा विद्यालय में हुई थी जिसमें प्रथम स्थान आने पर कक्षा 10 के छात्र सौरभ बिन्द को मुख्य अतिथि द्वारा सायकिल, द्वितीय स्थान आने पर कक्षा 9 की छात्रा सौम्या यादव व कक्षा 7 के छात्र अर्पित यादव को सीलिंग फैन व तृतीय स्थान आने पर कक्षा 9 की छात्रा मोहिनी कुमारी व कक्षा 7 की छात्रा श्रेया यादव को दीवाल घड़ी दी गई।इस मौके पर विद्यालय के चेयरमैन चंद्रभूषण राय, शुभम राय,शिवम राय,प्रधानाचार्य अरुण कुमार, उप प्रधानाचार्य प्रदीप मिश्रा,कोआर्डिनेटर हेमंत यादव, बृजेश राय,गोपाल कुमार, आशीष सरोज,सुमन,चांदनी, मिश्रा,साक्षी,मधु राय,आकांक्षा यादव,नेहा राय,हिबा समेत विद्यालय के सभी अध्यापक एवं अध्यापिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के चेयरमैन चंद्रभूषण राय द्वारा सभी मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया गया।

देवगांव पुलिस व खाद्य विभाग की संयुक्तकार्रवाई

केमिकलयुक्त कृत्रिम दूध बनाते एक अभियुक्त गिरफ्तार, 200 लीटर नकली दूध समेत भारी मात्रा में केमिकल बरामद

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के थाना देवगांव क्षेत्र में पुलिस व खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए केमिकल मिलाकर कृत्रिम दूध तैयार करने के मामले का खुलासा किया है। टीम ने मौके से एक अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए लगभग 200 लीटर नकली दूध तथा विभिन्न अपमिश्रक पदार्थ बरामद किए, जबकि मकान मालिक फरार हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 07 फरवरी 2026 को चौकी लालगंज प्रभारी उ0नि0 सुभाष तिवारी मय पुलिस बल क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान काशी डेयरी, मिर्जाआदमपुर के प्रबंधक रजनिकान्त मिश्रा तथा अरविन्द शर्मा ने सूचना दी कि ग्राम सोफीपुर में संतोष कुमार नामक व्यक्ति अपने मकान मालिक प्रमोद राय के साथ मिलकर केमिकल मिलाकर कृत्रिम दूध तैयार कर रहा है और डेयरी में सप्लाई कर रहा है।सूचना पर उ0नि0 राकेश कुमार सिंह सहित थाना देवगांव पुलिस तथा खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियोंकृराजीव कुमार सिंह (एफएसओ लालगंज), शीत सिंह (एफएसओ नगर पालिका आजमगढ़), लालमणि यादव (एफएसओ आजमगढ़) व अनिल कुमार (खाद्य सहायक अधिकारी) की संयुक्त टीम ने मौके पर दबिश दी। लगभग 4रू05 बजे की गई कार्रवाई में अभियुक्त संतोष कुमार पुत्र चन्द्रपाल सिंह निवासी गोविन्दीगढ़ी, थाना सतरौली, जनपद एटा को केमिकलयुक्त कृत्रिम दूध व अपमिश्रक पदार्थों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि मकान मालिक प्रमोद राय मौके से फरार हो गया।पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि वह लालच में आकर टैंकर से असली दूध निकालकर उसमें कृत्रिम दूध मिलाकर डेयरी में सप्लाई करता था तथा निकाले गए असली दूध को प्रमोद राय स्वयं का बताकर बेच देता था।कार्रवाई के दौरान टीम ने लगभग 200 लीटर कृत्रिम दूध, करीब 100 लीटर ॅ।ल पाउडर व पानी का मिश्रण, 40 लीटर केमिकलयुक्त रिफाइंड सोयाबीन तेल, 45 किलोग्राम यूरिया, विभिन्न केमिकल जैसे एथनॉल, मिथनॉल, सोडियम हाइड्रॉक्साइड सॉल्यूशन, ग्लिसरीन, मिल्क टेस्टिंग एजेंट सहित 35 टिन, तीन बड़े ड्रम, चार प्लास्टिक डब्बे, एक छोटा ड्रम, पाइप, बाल्टी, स्टील टंकी व दूध निकालने का उपकरण बरामद किया।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर ट्रेलर रेलिंग तोड़कर 20 फीट नीचे गिरी खाई में, चालक बाल-बाल बचा

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के कंधरापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शनिवार रात लगभग 9 बजे एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया, जब सरिया लादकर कोलकाता (दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल) से अयोध्या जा रही एक ट्रेलर जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर डब्लू बी 11श्र 8271अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए करीब 20 फीट नीचे खाई में जा गिरी। राहत की बात यह रही कि चालक बाल–बाल बच गया और उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई। घटना एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 238 पर दुल्लापार थाना कंधरापुर जनपद आजमगढ़ के पास हुई। तेज टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के गांवों के लोग मौके पर पहुंच गए। ट्रेलर में देखने पर चालक मौके पर नहीं मिला, जिसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल डायल 112 और कंधरापुर पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर बाद चालक सड़क किनारे सुरक्षित अवस्था में मिल गया। ट्रेलर चालक राधेश्याम पुत्र राजाराम निवासी कमसड़ी, थाना किरिमिदीपुर ने बताया कि वह दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) से सरिया लादकर अयोध्या जा रहा था। रास्ते में अचानक वाहन अनियंत्रित होकर नीचे चला गया, लेकिन वह किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। वाहन में चालक अकेला ही सवार था।सूचना मिलते ही कंधरापुर पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को अपने साथ थाने ले गई। पुलिस ने ट्रेलर मालिक सरवन प्रजापति को फोन से घटना की जानकारी दी। वहीं दुर्घटनाग्रस्त वाहन की सुरक्षा के लिए यूपीडा (न्च्म्क।) की सुरक्षा टीम को मौके पर तैनात कर दिया गया है।थानाध्यक्ष ने बताया कि ट्रेलर को रविवार को क्रेन की मदद से बाहर निकलवाया जाएगा। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि चालक को झपकी आने, या वाहन की तकनीकी खराबी या टायर फटने से ट्रेलर अनियंत्रित हुआ।

पुलिस व बदमाशों के बीच मुठभेड़ में एक गोतस्कर घायल सहित 2 गिरफ्तार, घायल आरोपी के ऊपर कुल आठ संगीन मुकदमे हैं दर्ज

आजमगढ़ (आर एन एस)डॉ0 अनिल कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़ के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर श्रीमती आस्था जायसवाल के कुशल पर्यवेक्षण में दिनांक 07ध08.02.2026 की रात्रि लगभग 12रू30 बजे थाना जहानागंज पुलिस द्वारा क्षेत्र में देखभाल क्षेत्र, अपराध नियंत्रण, संदिग्ध व्यक्तिध्वाहन चेकिंग एवं रात्रि गश्त की जा रही थी। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र के ग्राम गम्भीरवन (बड़ैला ताल) के पास एक पिकप वाहन में छुट्टा गोवंश लादा जा रहा है। प्राप्त सूचना पर विश्वास कर थानाध्यक्ष जहानागंज द्वारा पुलिस बल के साथ तत्काल घेराबंदी की गई। स्वयं को घिरता देखकर बदमाशों द्वारा पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई। पुलिस द्वारा बार–बार आत्मसमर्पण की चेतावनी दी गई, किंतु बदमाशों द्वारा पुनः फायरिंग का प्रयास किया गया। आत्मरक्षार्थ पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में 01 बदमाश के बाएँ पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जबकि 01 अन्य बदमाश मौके से पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया। घायलधगिरफ्तार अभियुक्त की पहचान–01. मोहीम अहमद पुत्र दिलशेर अहमद नि0 कोटिला (कंकाली टोला) थाना रानी की सराय जनपद आजमगढ़ उम्र 32 वर्ष (घायल अभियुक्त)02. सुनील कुमार पुत्र शोभनाथ नि0 जलाईपुर ऊँचेगाँव थाना रानी की सराय जिला आजमगढ़ उम्र 30 वर्ष घायल को इलाज हेतु सदर अस्पताल आजमगढ़ भेजा गया है । घटनास्थल को सुरक्षित कर फील्ड यूनिट द्वारा निरीक्षण कर साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गई है। पूछताछ के दौरान घायल अभियुक्त ने बताया कि वह अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सुनियोजित रूप से गोवध एवं गौ–तस्करी का कार्य करता था। अभियुक्तगण प्रायः देर रात्रि का समय चुनते थे तथा ऐसे छुट्टा गोवंश को चिन्हित करते थे जो आबादी से दूर अथवा सुनसान क्षेत्रों में विचरण कर रहे हों।चिन्हित किए गए गोवंश को अभियुक्तगण मौके का लाभ उठाकर पकड़ते थे तथा उसे निर्जन स्थानों पर ले जाकर अवैध रूप से वध करते थे। वध के पश्चात मांस को छोटे–छोटे टुकड़ों में काटकर ऊँचे दामों पर बिक्री किया जाता था।वध के उपरान्त शेष अवशेषों को नदी, नालों में फेंककर अथवा जमीन में गाड़कर अभियुक्तगण साक्ष्य नष्ट करने का प्रयास करते थे, जिससे अपराध का पता न चल सके। इसके अतिरिक्त अभियुक्तगण कुछ मामलों में गोवंश को वाहनों पर लादकर अन्य प्रान्तों, विशेषकर बिहार, ले जाकर अवैध रूप से बिक्री करते थे। अभियुक्तगण पूर्व में भी गोवध एवं गौ–तस्करी से संबंधित कई मामलों में गिरफ्तार होकर जेल जा चुके हैं। पुलिस की निगरानी से बचने के लिए अभियुक्तगण बार–बार स्थान परिवर्तन कर अपराध कारित करते थे तथा अपनी गतिविधियाँ गोपनीय रखने का प्रयास करते थे।

विनम्र व्यवहार, निष्पक्ष फैसले चंद्र प्रकाश सिंह की कार्यशैली की गूंज पूरे क्षेत्र में

आजमगढ़ (आर एन एस)निजामाबाद तहसील में तैनात उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह अपनी ईमानदारी, कार्यकुशलता और न्यायप्रिय छवि के कारण इन दिनों क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि निजामाबाद तहसील को लंबे समय बाद एक ऐसे अधिकारी मिले हैं, जो आमजन की समस्याओं को न केवल गंभीरता से सुनते हैं, बल्कि उनका त्वरित और निष्पक्ष समाधान भी करते हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार, उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के कार्यभार संभालने के बाद तहसील में न्याय की उम्मीद जगी है। खासकर गरीब, असहाय और पीड़ित लोगों की फरियाद अब सीधे सुनी जा रही है, जिससे आम जनता को राहत मिल रही है।असनी ग्रामसभा के स्टॉमर गंज निवासी पूर्व प्रधान मेवालाल पासवान, शिवप्रसाद पासवान, इंदल पासवान, असनी के लालचंद यादव, कोमल यादव, लल्ला यादव, जमीन कटघर के रामजी पांडेय, राजेश पांडेय, जयप्रकाश पांडेय, मोनू पांडेय, चकिया के सीताराम यादव, पंचानन यादव, निजामाबाद के राजेंद्र सोनकर, रवि पाठक, दिनेश सोनकर, बाबूलाल सोनकर सहित कई ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि वर्तमान उपजिलाधिकारी के कार्यकाल में तहसील में पारदर्शिता और भरोसे का माहौल बना है।क्षेत्रवासियों का कहना है कि पहले जहां अपनी बात रखने में लोग हिचकिचाते थे, वहीं अब बिना किसी दबाव के अपनी समस्याएं रख पा रहे हैं और उन्हें न्याय भी मिल रहा है। उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह का व्यवहार विनम्र, कार्यशैली सख्त लेकिन न्यायसंगत है, जिससे आमजन का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

सवर्ण आर्मी भारत ने निर्देशक नीरज पाडे के खिलाफ गंभीरपुर थाना मे सौंपा ज्ञापन

आजमगढ़ (आर एन एस)सवर्ण आर्मी भारत आजमगढ़ के जिलाध्यक्ष निखिल राय ने अपनी पूरी टीम के साथ रविवार को गंभीरपुर थाने में फिल्म निर्देशक नीरज पांडे के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है।इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी अखिलानन्द उपाध्याय ने बताया कि नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही नीरज पांडे की फिल्म 'घुसखोर पण्डित' ने एक समाज को टारगेट करके उसकी जातिगत भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कुकृत्य किया है। निर्देशक नीरज पांडे ने जानबूझकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए समस्त ब्राह्मण समाज के साथ साथ समस्त हिन्दू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आपराधिक कार्य किया है । जिससे सामाजिक सौहार्द के खराब होने की संभावनाओं को बल मिलेगा एवं समाज में वैमनस्यता फैलेगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बालीवुड के इतिहास में पहले भी गुनाहों का देवता,हवस का पुजारी,पोंगा पंडित और अब घूसखोर पंडित जैसी फिल्मों का षड्यंत्र के तहत बनाना इस बात का प्रमाण है कि बालीवुड पुरी तरीके से ऐसी विचारधारा के कब्जे में है जो केवल हिन्दू समाज को योजनाबद्ध तरीके से कभी ब्राह्मण तो कभी अन्य जातियों को अपने षड्यंत्र का शिकार बना करके उसे बांटने का कार्य करती रही है जिसे हिन्दू समाज अब न सहन करने वाला है और न ही स्वीकार करने वाला है। अंत में उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को ऐसे निर्देशक सहित समस्त बालीवुड के निर्देशकों की सम्पत्ति और उसके स्रोत की संपूर्ण जांच करनी चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं ऐसा तो नहीं न है कि ऐसे मुर्ख निर्देशकों को विदेशों से फंडिंग हो रही हो सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष निखिल राय सहित जिला मीडिया प्रभारी अखिलानन्द उपाध्याय, प्रदेश उपाध्यक्ष ओंकार पाठक,जिला उपाध्यक्ष अजय राय, अभय राय , विशाल , शशांक दूबे सहित समस्त सवर्ण आर्मी भारत आजमगढ़ की टीम उपस्थित रही।

मेधावी छात्र-छात्राओं का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण

आजमगढ़ आर एन एस)विकास खंड लालगंज के उच्च प्राथमिक विद्यालय के सौ (100) मेधावी छात्र–छात्राओं को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम को खण्ड शिक्षाधिकारी लालगंज डाक्टर विमल तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शिक्षा क्षेत्र लालगंज के कम्पोजिट विद्यालय बेला, उच्च प्राथमिक विद्यालय करिया गोपालपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय सरूपहां, उच्च प्राथमिक विद्यालय कहला सिकन्दरपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय मरहती, कम्पोजिट विद्यालय सिकरौरा, कम्पोजिट विद्यालय खनियरा, उच्च प्राथमिक विद्यालय सिधौना, उच्च प्राथमिक विद्यालय देवगांव, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सरूपहां, उच्च प्राथमिक विद्यालय सोफीपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय कोटा बुजुर्ग, कम्पोजिट विद्यालय सराय मारूफ, कम्पोजिट विद्यालय मसीरपुर के श्रेया , वरुण, शिखा , युवराज गिरी, परी तिवारी, कलश सिंह, रागिनी, यशस्वी, सृष्टि, सोनाली, प्रिया, रुशदा परवीन, विक्की, हिमांशु, रिया, रिद्धी, सिद्धी, किशन पाठक, स्वाती जायसवाल, अर्जुन, आतिफ अंसारी, रौनक वर्मा , अकांक्षा सहित अन्य सौ (100) मेधावी छात्र – छात्राओ को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान 2025–26 के तहत एक दिवसीय एक्सपोजर विजिट (शैक्षिक भ्रमण) के लिए चीनी मिल सठियांव आजमगढ सहित अन्य स्थानो का भ्रमण कराया गया । शैक्षिक भ्रमण में छात्र छात्राओ के साथ खंड शिक्षाधिकारी लालगंज डाक्टर विमल तिवार , अनिल श्रीवास्तव,संदीप श्रीवास्तव एआरपी लालगंज,धनन्जय सिंह, सुदेश राय,इन्द्रसेन सिंह, अदनान अहमद, भूपनारायण सिंह, संजीव सिंह, संकान्ति सिंह, मीरा मिश्रा , कामिनी दीक्षित, किरन , शारदा देवी, मनीष सिंह , श्याम कन्हैया, पन्ना लाल मौर्या , आयुष यादव, देवेन्द्र नाथ पाण्डेय सहित अन्य शिक्षक , शिक्षिकाए व छात्र छात्राए उपस्थित रहे।

अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई ,लालगंज के दो निजी

अस्पताल सीज, प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने बताया कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लालगंज क्षेत्र में संचालित निजी अस्पतालों के निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के निरीक्षण के दौरान गीता चाइल्ड सेंटर एवं आरती नर्सिंग होम को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया है। यह सीजर कार्रवाई डॉ. आलेन्द कुमार, डिप्टी सीएमओध्नोडल निजी चिकित्सीय प्रतिष्ठान एवं डॉ. ए. आर. सिंह, अधीक्षक लालगंज की संयुक्त टीम द्वारा की गई।निरीक्षण के दौरान गीता चाइल्ड सेंटर में उपचार के दौरान एक बच्चे की मृत्यु का मामला सामने आया। जांच में पाया गया कि अस्पताल अपंजीकृत रूप से संचालित हो रहा था तथा वहां कोई योग्य चिकित्सक उपलब्ध नहीं था। अस्पताल का संचालन अप्रशिक्षित एवं अकुशल स्टाफ के भरोसे किया जा रहा था, जो अत्यंत गंभीर लापरवाही एवं नियमों का उल्लंघन है। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अस्पताल के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में आरती नर्सिंग होम के निरीक्षण में पाया गया कि यह एक निजी एएनएम द्वारा संचालित किया जा रहा था। इस संबंध में संबंधित एएनएम को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है कि निजी स्तर पर अस्पताल संचालन किन परिस्थितियों में किया जा रहा था। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने स्पष्ट किया है कि बिना पंजीकरण एवं योग्य चिकित्सकों के बिना संचालित किसी भी स्वास्थ्य संस्थान को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

महाशिवरात्रि पर निकलेगी भव्य शिव बारात

रायबरेली ।पहलवान वीर बाबा शिव मंदिर ट्रस्ट की ओर से आगामी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर भव्य शिव बारात,नगर भोज,सांस्कृतिक झांकियां,नृत्य प्रस्तुति एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा ।कार्यक्रम का आयोजन फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज गेट संख्या–3 पर सुनिश्चित किया गया है ।मंदिर ट्रस्ट के संरक्षक शैलेंद्र अग्निहोत्री ने बताया कि उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में शिव बारात राजकीय कॉलोनी स्थित शिव मंदिर से इंदिरा उद्यान,बरगद चौराहा,मामा चौराहा,नेहरू नगर,इंदिरा नगर मध्य मार्ग से होते हुए आरडीए कांप्लेक्स,डिग्री कॉलेज चौराहा,कैनाल रोड,जिलाधिकारी चौराहा,अस्पताल चौराहा,हाथी पार्क होते हुए पुनः डिग्री कॉलेज चौराहा स्थित पहलवान वीर बाबा मंदिर पर पहुंचेगी,जहां बारात की आरती व भव्य स्वागत किया जाएगा ।इसके उपरांत बारात डिग्री कॉलेज गेट नंबर 3 पर पहुंचेगी,जहां शिव विवाह संपन्न कराया जाएगा ।इसके साथ ही भजन संध्या निरंतर चलता रहेगा ।साथ ही साथ श्री अग्निहोत्री ने बताया कि भंडारे का शुभारंभ कन्याभोज के साथ दोपहर 12रू30 बजे शुरू होगा ।बारात में वर पक्ष की तरफ से यजमान के रूप में अजय सिंह जहाजी सपत्नी ज्योति सिंह एवं कन्या पक्ष की तरफ से यजमान के रूप में सतीश सिंह सपत्नी पूनम सिंह मौजूद रहेंगे। इस मौके पर महेंद्र अग्रवाल,राजेश कुमार श्रीवास्तव, बब्बी शुक्ला, राजेश कुमार सिंह,रेनू सिंह मौजूद रही।

जिले के कक्षा नौ से 12 के बच्चों द्वारा दो दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

राजकीय बालिका इंटर कालेज आजमगढ़ में 11 से 12 फरवरी को होगा

आजमगढ़ (आर एन एस)विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब आजमगढ़ के तत्वाधान में जिलाधिकारी महोदय एवं मुख्य विकास अधिकारी की सहमति एवं निर्देशन में जनपद के सभी बोर्डों के विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए दो विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम जिसमें दिनांक 11 फरवरी 2026 को प्रातः 9रू00 बजे से जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन तथा दिनांक 12 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन जिला समन्वयक इंजीनियर कुलभूषण सिंह एवं प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के संयोजन में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस आजमगढ़ में किया जाएगा।

जिला विज्ञान क्लब के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा बच्चों में विज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करने तार्किक क्षमता कल्पनाशीलता उनमें वैज्ञानिक पद्धति के कार्यकलापों एवं वैज्ञानिक व्यक्तित्व विकसित करने के उद्देश्य से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा यह कार्यक्रम कराया जा रहा है। जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक इंजीनियर कुलभूषण सिंह ने बताया कि जनपद स्तर पर जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों चयनित वर्किंग विज्ञान मॉडल कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों द्वारा 100 मॉडल प्रस्तुत किए जाएंगे। जनपद स्तर पर गठित तकनीकी मूल्यांकन समिति द्वारा 15 मॉडलों का चयन करते हुए मंडल स्तर हेतु उपलब्ध कराए जाएंगे। इन्हीं 15 चयनित मॉडलों में से मूल्यांकनों उपरांत कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों में प्रथम तृतीय वृद्धि पुरस्कार हेतु क्रमशः ध्5000, ध्3000 , रु 2000 एवं दो विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार हेतु रुपया 1000 प्रत्येक को दिए जाने के साथ प्रशस्ति पत्र, सम्मान पत्र, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं निर्धारित धनराशि से सम्मानित किया जाएगा एवं अन्य प्रतिभागियों को भी प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण एवं प्रतिभाग करने हेतु पत्र जनपद के सभी बोर्डों के विद्यालयों को जिला विद्यालय निरीक्षक एवं सचिव जिला विज्ञान क्लब श्री वीरेंद्र प्रताप द्वारा पहले ही प्रेषित किया जा चुका है।

4 वर्षीय बालक की मौत,डिप्टी सीएमओ ने अस्पताल किया सील

आजमगढ़ (आर एन एस)देवगांव कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत कटघर लालगंज में स्थित गीता चाइल्ड केयर पर 4 वर्षीय बालक की मौत से परिजनों मैं मचा कोहराम। बता दें कि 3 फरवरी को 4 वर्षीय बालक को डेंगू मलेरिया होने पर गीता चाइल्ड केयर लालगंज में भर्ती कराया गया था। तब से इलाज चल रहा था आज दिन में लगभग 2 बजे इलाज के दौरान बालक की मृत्यु हो गई। जिसपर परिजनों अस्पताल के संचालक एवं डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान कार्तिक 4 वर्ष पुत्र बेचू निवासी लोकईपुर ऊंचाहुआ थाना तरवां आजमगढ़ के रूप में हुई है वही सूचना पर पहुंचे डिप्टी सीएमओ अलेंद्र कुमार ने अस्पताल का रजिस्ट्रेशन सही न होने की स्थिति में अस्पताल को सील कर दिया है। अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों को संयुक्त सौ शैय्या चिकित्सालय लालगंज में भेज दिया गया

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला सहित तीन लोगों की हुई मौत

रायबरेली। लालगंज क्षेत्र में हुई अलग–अलग दो सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हुई है वही तीन लोग गंभीर रूप से घायलहुए हैं। पहले सड़क दुर्घटना लालगंज नगर के गांधी चौराहे के पास हुई है जहां पिलखा गांव की एक वृद्ध महिला भानुमती (55)पत्नी जगतपाल ई रिक्शा से जा रही थी। तभी वाहन की टक्कर लगने से रिक्शा पलट गया और वृद्ध महिला की मौतहो गई। वहीं दूसरी सड़क दुर्घटना लालगंज नगर के ही गांधी चौराहे पर हुई जिसमें बेहटा चौराहा लालगंज निवासी पार्थ अग्रहरि स्कूटी से अपने घर जा रहे थे ,कार ने टक्कर मार दी जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं तीसरी सड़क दुर्घटना लालगंज गेगासो नेशनल हाईवे पर आनापुर मोड़ के निकट हुई है। दुर्घटना में दो बाइके आमने–सामने टकरा गई जिससे दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल होगए। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि रावतपुर कला निवासी राम प्रसाद(25) पुत्र रामकरन, तेज बहादुर(30)पुत्र छेदीलाल और मंगा खेड़ा सेमर पहा निवासी धुन्नर (35)पुत्र रामनाथ पल्सर बाइक से लालगंज की तरफ से दो सड़का की तरफ जा रहे थे। वहीं दूसरी तरफ से होंडा शाइन मोटरसाइकिल से महेंद्र सिंह(55) पुत्र रामराज सिंह गेगासो गंगा घाट से अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहे थे। दोनों बाइके आमने–सामने भिड़ गई जिससे तेज बहादुर और महेंद्र सिंह की मौत हो गई। वही राम प्रसाद और धुन्नर गंभीर रूप से घायल हो गए। वास्तव में पल्सर बाइक सवार गलत साइड से थे जिसके चलते दुर्घटना हो गई।

अपराध नियंत्रण में लापरवाही बर्दाश्त नही होगी-एसपी

रायबरेली। नवागत एसपी रवि कुमार ने शनिवार की रात जिले के सभी थाना प्रभारियों व सीओ के साथ अपराध गोष्ठी की। जिसमें उन्होंने अपराध के प्रति जीरो टालरेंस की सरकार की नीति पर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही आम जनता में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ाने की बात कही ।एसपी ने कहा कि पुलिसिंग के दौरान आम लोगों को यह अहसास होना चाहिए कि पुलिस उनकी मित्र है और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाया जाएगा। उन्होंने आगामी त्यौहारों के अपराधिक तत्वों पर सतर्क दृष्टि बनाये रखने एवं अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु पाबन्दी की कार्यवाही, गुण्डाएक्ट, जिलाबदर एवं हिस्ट्रीशीटरों पर कार्रवाई करने के साथ ही ऐसे तत्वों पर नियमित निगरानी रखने के निर्देश भी दिए ।एसपी ने महिला संबन्धी अपराधों की रोकथाम व अभियान चलाकर अपराधियों की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए। साथ ही साइबर अपराध पर नियंत्रण व घटित अपराधों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को रात्रिगश्त बढाने, बाजारों, चौराहों, सर्राफा की दुकानों, बैंकों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों, वस्तुओं, दो पहिया, चार पहिया वाहनों व मोटरसाइकिल पर नई

शिब्ली कालेज परिसर में हज यात्रियों के लिए विशेष टीकाकरण कैंप आयोजित

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा के निर्देशन में हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शिब्ली कॉलेज परिसर में विशेष टीकाकरण कैंप आयोजित किया गया। कैंप में हज यात्रियों को आवश्यक टीके लगाए गए तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जरूरी परामर्श भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर एडिशनल सीएमओ डॉ. अब्दुल अजीज अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने टीकाकरण व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए यात्रियों को आवश्यक जानकारी दी और स्वास्थ्य सावधानियों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में डिप्टी सीएमओ डॉ. अविनाश झा, यूनिसेफ व यूएनडीपी के प्रतिनिधि सहित अन्य विभागीय कर्मी भी उपस्थित रहे, ।

टी 20 विश्व कप में भारत-पाकिस्तान मैच पर सस्पेंस, आखिरी फैसला लेगे-पीएम शहबाज शरीफ

भारत–पाकिस्तान टी20 विश्व कप 2026 मैच पर बहिष्कार का संकट गहरा गया है, जिसका अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ लेंगे। आईसीसी और पीसीबी के बीच उच्च–स्तरीय बैठकों के बाद, इस हाई–वोल्टेज मुकाबले का भविष्य अब शरीफ के राजनीतिक फैसले पर निर्भर करता है।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इस बात पर अंतिम फैसला लेंगे कि क्या पाकिस्तान 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करेगा या नहीं। खबरों के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी सोमवार को शरीफ से मुलाकात करेंगे और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई अपनी बैठक की जानकारी देंगे।आईसीसी के उप–अध्यक्ष इमरान ख्वाजा, पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के नेतृत्व में एक आईसीसी प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को लाहौर में मुलाकात की और 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ होने वाले मैच के पाकिस्तान के बहिष्कार के फैसले पर चर्चा की। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि लंबी बातचीत समाप्त हो गई है और उम्मीद है कि अगले कुछ घंटों में आपसी परामर्श से विवाद का समाधान हो जाएगा। इमरान ख्वाजा, मोहसिन नकवी और अमीन उल इस्लाम के बीच एक रोडमैप को अंतिम रूप दे दिया गया है।यह घटनाक्रम पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक ग हैंडल द्वारा 15 फरवरी के मैच में भारतीय टीम के मैदान में न उतरने की घोषणा के बाद सामने आया है। बाद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस बहिष्कार को बांग्लादेश के साथ विवाद से जोड़ते हुए इसे एकजुटता का प्रतीक बताया। बांग्लादेश को 2026 टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड से बदल दिया गया है, क्योंकि भारत के बाहर अपने सभी मैच खेलने के

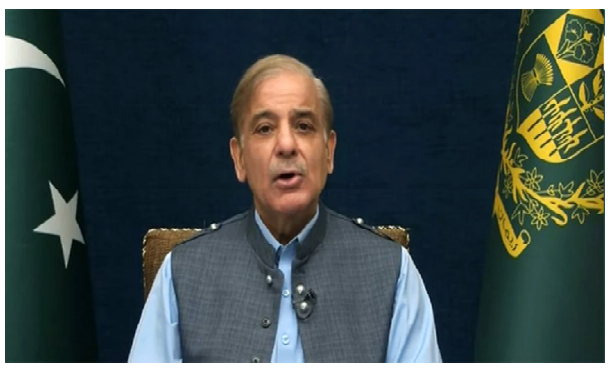

उनके अनुरोध को आईसीसी ने स्वीकार नहीं किया। बांग्लादेश ने यह अनुरोध कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से हटाए जाने के बाद किया था। यह कदम भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देशों के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों से संबंधित चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया था। इस बीच, आईसीसी ने पीसीबी से यह साबित करने को कहा है कि उसने श्अप्रत्याशित घटनाश के प्रभाव को कम करने के लिए क्या कदम उठाए थे, क्योंकि सदस्य भागीदारी समझौते (एमपीए) के तहत यह आवश्यक है। गौरतलब है कि ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, टूर्नामेंट शुरू होने से 10 दिन से भी कम समय पहले पीसीबी ने सरकारी आदेशों को अपने विवादास्पद बहिष्कार का कारण बताते हुए आईसीसी को एक ईमेल भेजा था। इसके अलावा, माना जाता है कि आईसीसी के पास वे सभी शर्तें विस्तृत रूप से मौजूद हैं जिनके तहत श्अप्रत्याशित घटनाश को वैश्विक रूप से लागू किया जा सकता है ।

बायकाट से यू-टर्न लेगा पाकिस्तान? टी20 विश्व कप में खेलने के लिए आईसीसी से की 3 बड़ी मांगें

टी20 विश्व कप में भारत से मैच का बहिष्कार करने की ध मकी के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अब आईसीसी के सामने तीन शर्तें रखी हैं। पीसीबी ने द्विपक्षीय सीरीज की बहाली, राजस्व में वृद्धि और भविष्य में श्नो–हैंडशेकश जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने का आश्वासन मांगा है, ताकि वह भारत के खिलाफ खेलने पर पुनर्विचार कर सके।पाकिस्तान जल्द ही टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार के अपने रुख से पीछे हट सकता है। गतिरोध को समाप्त करने के लिए, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच रविवार शाम लाहौर में एक त्रिपक्षीय बैठक हुई, जिसमें पीसीबी ने अपनी मांगें स्पष्ट कर दीं। खबरों के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के समक्ष तीन मांगें रखी हैं, यदि आईसीसी उसकी सरकार से परामर्श करना चाहती है और 15 फरवरी को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच न खेलने के अपने फैसले को पलटने की संभावना तलाशना चाहती है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी ने आईसीसी के समक्ष तीन मांगें रखी हैं, यदि आईसीसी वैश्विक टूर्नामेंट में भारत के बहिष्कार के अपने रुख को बदलना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी के समक्ष रखी गई तीन मांगें भारत–पाकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों की बहाली, राजस्व में वृद्धि और यह सुनिश्चित करना कि नो–हैंडशेक एक्ट जैसी घटना दोबारा कभी न हो। विवाद तब शुरू हुआ जब पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की कि वह टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ खेलने के लिए पाकिस्तान टीम को अनुमति नहीं देगी, भले ही यह मैच तटस्थ मैदान पर खेला जाना था। शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी के बहिष्कार के पीछे के कारणों को स्पष्ट नहीं किया।क्रिकेट जगत में आम ध ाारणा यह थी कि पाकिस्तान का रुख बांग्लादेश के साथ एकजुटता का प्रतीक था, जिसने सुरक्षा

चिंताओं के चलते आईसीसी द्वारा बीसीबी के भारत से बाहर मैच आयोजित करने के अनुरोध को अस्वीकार करने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। इसके बाद आईसीसी ने पाकिस्तान के साथ बातचीत करने का प्रयास किया और पीसीबी अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता जूम के माध यम से चर्चा में शामिल हुए, जबकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी, आईसीसी उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल लाहौर में उपस्थित थे। क्रिकबज ने आगे बताया कि बांग्लादेश आईसीसी से मुआवजे की मांग भी कर सकता है, और उम्मीद है कि चल रही बातचीत के तहत पाकिस्तान इस समझौते में मध्यस्थता करने में मदद करेगा। इन तीन मांगों के जरिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आईसीसी पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

वैभव सूर्यवंशी ने भारतीय क्रिकेट के नए सुपरस्टार, गौतम गंभीर बोले- ये है भविष्य

वैभव सूर्यवंशी के 175 रनों की रिकॉर्ड पारी से भारत ने अंडर–19 विश्व कप फाइनल जीता, जिसे कोच गौतम गंभीर ने भारतीय क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य का संकेत बताया है। अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद वैभव ने इसे महज एक शुरुआत बताते हुए भविष्य के लिए अपने बड़े इरादे जाहिर किए। शुक्रवार को हरारे में खेले गए अंडर–19 विश्व कप फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम किया। इस जीत के नायक वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज 80 गेंदों में 175 रन की अविश्वसनीय पारी खेली। यह अंडर–19 विश्व कप फाइनल इतिहास का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रहा।गौरतलब है कि भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। वैभव ने शुरुआत से ही इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। 15 चौके और 15 छक्कों से सजी उनकी पारी ने स्कोरबोर्ड को तेजी से आगे बढ़ाया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 53 रन की संयमित पारी खेली, जबकि अभिज्ञान कुंडू ने 40 रन जोड़कर रनगति बनाए रखी। भारतीय टीम 411ध्9 के विशाल स्कोर तक पहुंची।जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत ठीक रही, लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ा गया। 142ध्2 से टीम 177ध्7 तकसिमटती चली गई। मौजूद

जानकारी के अनुसार, केलैब फाल्कनर ने अकेले दम पर 67 गेंदों में 115 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन लक्ष्य इतना बड़ा था कि इंग्लैंड की टीम उसे चुनौती नहीं दे सकी।मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी ने इंस्टाग्राम पर ट्रॉफी के साथ तस्वीर साझा की और लिखा कि उन्हें मैदान पर खेलना अच्छा लगा और वह खुश हैं कि टीम की जीत में योगदान दे सके। उन्होंने मिले समर्थन के लिए आभार भी जताया। भारत के इस शानदार अभियान की क्रिकेट जगत में खूब सराहना हुई।

भारत-पाकिस्तान महामुकाबले पर सस्पेंस बरकरार, अगले 24 घंटे में पीसीबी लेगा आखिरी फैसला

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड लाहौर में पीसीबी के सीनियर अधिकारियों के साथ लंबी मीटिंग के बाद अगले 24 घंटों के अंदर भारत के खिलाफ ज्20 वर्ल्ड कप 2026 मैच के प्रस्तावित बॉयकॉट पर अपना रुख साफ करने वाला है क्रिकेट जगत की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता, भारत बनाम पाकिस्तान मैच, इस समय अनिश्चितता के भंवर में फंसी हुई है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (च्ब्ठ) अगले 24 घंटों के भीतर यह स्पष्ट कर देगा कि वह 15 फरवरी को होने वाले टी 20 वर्ल्ड कप के इस हाई–प्रोफाइल मैच का बहिष्कार करेगा या नहीं।पाकिस्तान 24 घंटे में भारत मैच पर आखिरी फैसला लेगारिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड लाहौर में प्ब्क के सीनियर अधिकारियों के साथ लंबी मीटिंग के बाद अगले 24 घंटों के अंदर भारत के खिलाफ ज्20 वर्ल्ड कप 2026 मैच के प्रस्तावित बॉयकॉट पर अपना रुख साफ करने वाला है। 15 फरवरी को होने वाले भारत बनाम पाकिस्तान के बड़े ज्20 वर्ल्ड कप ग्रुप–स्टेज मैच के करीब आने के साथ ही यह मुद्दा वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे बड़े चर्चा के विषयों में से एक बन गया है।यह बातचीत लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हुई और

पांच घंटे से ज़्यादा चली, जिसमें च्ब्ठ चेयरमैन मोहसिन नकवी, प्ब्क के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम शामिल थे। जल्दबाजी साफ है, क्योंकि प्ब्क ऐसी स्थिति से बचना चाहता है जहां टूर्नामेंट का सबसे हाई–प्रोफाइल मैच अनिश्चितता में लटका रहे।रिपोर्ट्स के अनुसार, च्ब्ठ अब आखिरी फैसला लेने से पहले पाकिस्तान की संघीय सरकार से सलाह लेगा। अधिकारियों का मानना है कि अगले 24 घंटे निर्णायक साबित हो सकते हैं, क्योंकि बोर्ड राजनीतिक दिशा और क्रिकेट की सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली प्रतिद्वंद्विता से पीछे हटने के व्यापक परिणामों दोनों पर विचार कर रहा है। मीटिंग किस बारे में थी?लाहौर मीटिंग का मुख्य मुद्दा 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ अपने तय ग्रुप मैच को छोड़ने का पाकिस्तान का फैसला था। 2 फरवरी को वर्ल्ड कप शुरू होने से एक हफ्ते से भी कम समय पहले की गई बॉयकॉट की घोषणा ने तनाव बढ़ा दिया और प्ब्क को तुरंत बातचीत करने के लिए मजबूर किया। बातचीत में बांग्लादेश की मौजूदगी ने एक और परत जोड़ दी। ठब्ठ प्रेसिडेंट, अमीनुल इस्लाम, मीटिंग से कुछ घंटे पहले ही लाहौर पहुंचे थे, जिससे संकेत मिलता है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान ने एक आम सहमति बना ली है, क्योंकि समझौता कराने की कोशिश कर रहा है। सूत्रों ने इंडिया टुडे को बताया कि इन चर्चाओं के दौरान दोनों बोर्ड ने अपनी स्थिति एक जैसी कर ली है। प्ब्क का मुख्य ध्यान इस स्थिति को एक बड़े संकट में बदलने से रोकना रहा है, जो टूर्नामेंट के शेड्यूल, गवर्नेंस और कमर्शियल ढांचे पर असर डाल सकता है।सीधे शब्दों में कहें तो, क्रिकेट में कोई भी मैच ग्लोबल ध्यान और वित्तीय मूल्य के मामले में भारत बनाम पाकिस्तान के करीब नहीं आता। यह खेल का सबसे बड़ा रेवेन्यू ड्राइवर है, जो ब्रॉडकास्ट राइट्स, स्पॉन्सरशिप डील, विज्ञापन में दिलचस्पी और दुनिया भर में दर्शकों की संख्या को बढ़ाता है। ब्रॉडकास्टर ज़्यादा पैसे इसलिए देते हैं क्योंकि इस तरह के बड़े मैच पक्का दर्शकों को खींचते हैं। अगर पाकिस्तान हट जाता है, तो प्ब्क के ब्रॉडकास्ट पैकेज की वैल्यू तुरंत कम हो जाएगी, जिससे टूर्नामेंट के फाइनेंस पर बुरा असर पड़ेगा।यह असर काफी ज़्यादा और परेशानी वाला होगा, क्योंकि कम रेवेन्यू से आखिरकार मेंबर बोर्ड्स को मिलने वाले सालाना पेमेंट पर असर पड़ेगा, जिसमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और यहाँ तक कि भारत भी शामिल हैं। घड़ी की सुई टिक–टिक कर रही है और वर्ल्ड कप पहले ही शुरू हो चुका है, अगले 24 घंटे यह तय कर सकते हैं कि क्रिकेट की सबसे बड़ी राइवलरी सेंटर स्टेज पर आएगी या टूर्नामेंट से सबसे बड़ी गैरमौजूदगी बन जाएगी।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी का वर्ल्ड रिकार्ड, फिर क्यों दूर है टीम इंडिया जानें आईसीसी का नियम

अंडर–19 विश्व कप में 175 रनों की विस्फोटक पारी खेलने के बावजूद वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम में नहीं हैं, जिसका मुख्य कारण अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (च्ब्ठ) की 15 वर्ष की न्यूनतम आयु सीमा नीति है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर मैच खत्म हुए भले ही कुछ वक्त बीत गया हो, लेकिन वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी की गूंज अब भी क्रिकेट जगत में सुनाई दे रही है। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ अंडर–19 विश्व कप फाइनल में बिहार के इस 14 वर्षीय बल्लेबाज ने सिर्फ 80 गेंदों में 175 रन ठोक दिए थे, जो किसी भी अंडर–19 विश्व कप फाइनल का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।गौरतलब है कि इस पारी में वैभव ने 15 छक्के लगाए और उनका स्ट्राइक रेट ऐसा रहा मानो वह किसी लीग मैच में बल्लेबाजी कर रहे हों। इस प्रदर्शन के बाद क्रिकेट प्रेमियों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब वह अंडर–19 स्तर पर इंग्लैंड जैसे मजबूत विपक्ष को ध्वस्त कर सकते हैऔर आईपीएल में भी शतक जड़ चुके हैं, तो भारतीय सीनियर टीम में उनकी जगह क्यों नहीं बन पा रही है।मौजूद जानकारी के अनुसार, इसका सीधा जवाब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी के नियमों में छिपा है। वर्ष 2020 में लागू की गई न्यूनतम आयु नीति के तहत कोई भी खिलाड़ी 15 वर्ष की उम्र से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हिस्सा नहीं ले सकता है। वैभव सूर्यवंशी का जन्म 27 मार्च 2011 को हुआ है और फरवरी 2026 में हुए अंडर–19 विश्व कप के दौरान उनकी उम्र 14 साल ही थी। दिलचस्प बात यह है कि वह न केवल सीनियर क्रिकेट के लिए छोटे हैं, बल्कि अब अंडर–19 स्तर के लिए भी लगभग बाहर हो चुके हैं। बता दें कि बीसीसीआई अंडर–19 विश्व कप के लिए "वन टूर्नामेंट नियम" लागू करता है, जिसके तहत कोई भी खिलाड़ी सिर्फ एक ही अंडर–19 विश्व कप खेल सकता है। इसका उद्देश्य उम्र वर्ग में नए खिलाड़ियों को मौका देना है। वैभव 2026 संस्करण में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बन चुके हैं, ऐसे में वह 2028 या 2030 के अंडर–19 विश्व कप के लिए पात्र नहीं रहेंगे, भले ही तब भी उनकी उम्र 19 से कम ही क्यों न हो।पिछले एक साल में वैभव सूर्यवंशी ने जिस तरह रिकॉर्ड्स की

कतार लगा दी है, उसने चयनकर्ताओं और विशेषज्ञों का ध यान खींचा है। अंडर–19 विश्व कप फाइनल में सर्वोच्च स्कोर के अलावा उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 30 छक्के लगाकर नया रिकॉर्ड बनाया है। वह 14 साल 272 दिन की उम्र में लिस्ट–ए क्रिकेट में शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बने। इतना ही नहीं, विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 59 गेंदों में 150 रन बनाकर एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए 35 गेंदों में शतक जड़कर वह लीग इतिहास के सबसे कम उम्र के शतकवीर बने हैं। भारत ए के लिए टी20 शतक, यूथ वनडे और यूथ टेस्ट में सबसे तेज शतक, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे युवा शतकवीर और यूथ वनडे में 100 छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बनने जैसी उपलब्धियां भी उनके नाम दर्ज हैं।फिलहाल "सूर्यवंशी तूफान" घरेलू क्रिकेट और फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट तक सीमित है। हालांकि, घड़ी तेजी से आगे बढ़ रही है। जैसे ही वह 2026 में 15 साल के होंगे, यह तय माना जा रहा है कि भारतीय सीनियर टीम में नीली जर्सी पहनकर उनका पदार्पण ज्यादा दूर नहीं रहेगा और भारतीय क्रिकेट को एक नया सितारा मिलने वाला है।

इंग्लैंड की नेपाल पर रोमांचक जीत, आखिरी गेंद तक खिंचा मुकाबला

टी20 वर्ल्ड कप के एक रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने नेपाल को 4 रनों से हरा दिया। हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल के अर्धशतकों की बदौलत इंग्लैंड ने 184 रन बनाए, जिसके जवाब में दीपेंद्र सिंह ऐरी की जुझारू पारी के बावजूद नेपाल की टीम आखिरी गेंद पर लक्ष्य से चूक गई।मुंबई में रविवार को खेले गए टी20 वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में इंग्लैंड ने नेपाल को 4 रन के मामूली अंतर से हरा दिया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 184 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। जवाब में नेपाल की टीम ने जबरदस्त टक्कर दी, लेकिन वे 20 ओवर में 180 रन ही बना सके और जीत से महज एक शॉट दूर रह गए।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। ओपनर फिल साल्ट (1) दूसरे ही ओवर में आउट हो गए, जिन्हें नेपाल के शेर मल्ला ने अपनी पहली ही गेंद पर शिकार बनाया। इसके बाद जोस बटलर (26) भी जल्दी पवेलियन लौट गए। मुश्किल समय में कप्तान हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल ने पारी को संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार अर्धशतक लगाए, जैकब बेथेल ने 35 गेंदों में 55 रन (4 चौके, 4 छक्के) और हैरी ब्रूक ने 32 गेंदों में 53 रन (4 चौके, 3 छक्के) बनाए। अंत में विल जैक्स ने 18 गेंदों में 39 रनों की तेज पारी खेलकर इंग्लैंड का स्कोर 184ध्7 तक पहुँचाया।नेपाल का पलटवार185 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की टीम ने हार नहीं मानी। हालांकि उनके ओपनर आसिफ शेख (7) और कुशल भुर्तेल (29) जल्दी आउट हो गए, लेकिन मध्यक्रम ने मैच में जान फूंक दी। दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 44 रनों की जुझारू पारी खेली, जबकि कप्तान रोहित पौडेल ने भी उनका साथ दिया।नेपाल को आखिरी ओवर में जीत के लिए 10 रनों की जरूरत थी। सैम करन ने बेहद दबाव में गेंदबाजी करते हुए नेपाल के बल्लेबाजों को बड़े शॉट नहीं खेलने दिए। लोकेश बम (39 रन) आखिरी गेंद तक क्रीज पर डटे रहे, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।मैच का नतीजा इंग्लैंड की ओर से सैम करन और लियाम डॉसन ने अहम विकेट लेकर नेपाल की रन रफ्तार पर ब्रेक लगाया। नेपाल के लिए नंदन यादव और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और 2–2 विकेट झटके। नेपाल भले ही यह मैच हार गया, लेकिन विश्व चौंपियन इंग्लैंड को आखिरी गेंद तक संघर्ष करने पर मजबूर कर उन्होंने सबका दिल जीत लिया।

मारुती सुजुकी का नया रिकार्ड रेलवे से भेजीं 5.85 लाख गाड़ियां, 18% की जबरदस्त ग्रोथ

मारुति सुजुकी इंडिया ने 2025 में रेलवे के माध्यम से रिकॉर्ड 5.85 लाख वाहन भेजकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 18: अधिक है। कंपनी ने अपने लॉजिस्टिक्स में रेल परिवहन की हिस्सेदारी बढ़ाकर 26: कर ली है, जिससे कार्बन उत्सर्जन और सड़क जाम में कमी आई है। हाल ही में मारुति सुजुकी इंडिया ने रेलवे के माध्यम से 2025 में 5.85 लाख से अधिक वाहनों को भेजा। यह 2024 की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने कहा कि आपूर्ति में रेल परिवहन की उसकी हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है जो 2016 में 5.1 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 26 प्रतिशत हो गई है।इससे कार्बन

उत्सर्जन, देश के तेल आयात में उल्लेखनीय कमी आई है और सड़क पर लगने वाला जाम भी कम हुआ है। मारुति के सीईओ क्या बोले हैं?मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध ा निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने बयान में कहा, '' वर्ष के दौरान हमने दो अहम उपलब्धियों के जरिये अपने ह र त लॉजिस्टिक्स प्रयासों को मजबूत किया। पहला, मानेसर संयंत्र में भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल 'इन–प्लांट रेलवे साइडिंग' का उद्घाटन। दूसरा, चेनाब नदी पर दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे 'आर्च ब्रिज' के माध्यम से कश्मीर घाटी तक रेल से वाहनों की आपूर्ति.. जो किसी भी मोटर वाहन कंपनी द्वारा पहली बार किया गया।''उन्होंने कहा कि कंपनी का मध्यावधि लक्ष्य वित्त वर्ष 2030–31 तक रेल के जरिये वाहन आपूर्ति को 35 प्रतिशत तक बढ़ाना है जिससे 2070 तक भारत के शुद्ध–शून्य लक्ष्य में योगदान मिलेगा। वित्त वर्ष 2014–15 से अब तक मारुति सुजुकी ने 'हब एंड स्पोक मॉडल' के तहत देशभर के 600 से अधिक शहरों को सेवा देने वाले 22 गंतव्यों से 28 लाख से अधिक वाहनों की आपूर्ति की है।

टिम सीफर्ट का धमाका, न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से रौंदा

सीफर्ट ने ग्लेन फिलिप्स (42 रन, 25 गेंद, सात चौके, एक छक्का) के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 74 रन की साझेदारी भी की जिससे न्यूजीलैंड की टीम दूसरे ओवर में 14 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद वापसी करने में सफल रही।आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के एक रोमांचक मुकाबले में रविवार को न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट की आतिशी बल्लेबाजी और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर कीवी टीम ने अफगानिस्तान द्वारा दिए गए 183 रनों के लक्ष्य को 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया।सीफर्ट ने ग्लेन फिलिप्स (42 रन, 25 गेंद, सात चौके, एक छक्का) के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 74 रन की साझेदारी भी की जिससे न्यूजीलैंड की टीम दूसरे ओवर में 14 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद वापसी करने में सफल रही। अफगानिस्तान ने अनुभवी गुलबदिन नायब (63 रन, 35 गेंद, चार छक्के, तीन चौके) के शानदार अर्धशतक और सेदिकुल्लाह अटल (29 रन, 24 गेंद) के बीच उनकी तीसरे विकेट की 51 गेंद में 79 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 182 रन बनाए।न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 40 रन देकर दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे न्यूजीलैंड को स्पिनर मुजीब उर रहमान (31 रन पर दो विकेट) ने दूसरे ओवर में सलामी बल्लेबाज फिन एलेन (01) और रचिन रविंद्र (00) को लगातार गेंदों पर बोल्ड करके दोहरा झटका दिया। सीफर्ट ने इसके बाद फिलिप्स के साथ मिलकर पारी को संभाला। उन्होंने ऑफ स्पिनर मोहम्मद नबी की गेंद पर छक्के के साथ 39 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।फिलिप्स ने अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान को निशाना बनाते हुए उनकी लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा। राशिद ने फिलिप्स को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा जबकि नवी ने सीफर्ट को अजमतुल्लाह उमरजई के हाथों कैच कराके अफगानिस्तान को वापसी दिलाने की कोशिश की।मार्क चैपमैन (28), डेरिल मिचेल (नाबाद 25) और कप्तान मिचेल सेंटनर (नाबाद 17) ने हालांकि न्यूजीलैंड की जीत सुनिश्चित की।

शूटिंग से पहले के रिकार्ड, अल्लू अर्जुन-लोकेश कनगराज की परियोजना ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है

आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन और स्टार डायरेक्टर लोकेश कनगराज की आने वाली फिल्म शूटिंग शुरू होने से पहले ही इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बन गई है। इस प्रोजेक्ट का अनाउंसमेंट वीडियो, जिसे एए23 नाम दिया गया है, रिलीज होते ही फिल्म प्रेमियों का ध्यान खींचने में कामयाब हो गया है। हालांकि कहानी के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसके प्रस्तुतीकरण ने फिल्म को लेकर उम्मीदें बेहद बढ़ा दी हैं। अनाउंसमेंट वीडियो में दिखाए गए स्टाइलिश विजुअल्स के साथ–साथ म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध द्वारा तैयार किया गया दमदार बैकग्राउंड म्यूजिक सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। खासकर इंस्टाग्राम पर फैंस इस थीम म्यूजिक के साथ रील्स बना रहे हैं।

फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले ही अनाउंसमेंट म्यूजिक पर लाखों रीलें बन जाने से टॉलीवुड और कॉलीवुड दोनों में खूब चर्चा हो रही है। गौरतलब है कि एए23 अनाउंसमेंट थीम पर 35 लाख से ज्यादा रीलें बन चुकी हैं। इसके साथ ही, बिना किसी टीजर या झलक के फिल्म ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म पर एक अनोखा रिकॉर्ड बना लिया है। इंडस्ट्री के सूत्र भी हैरानी जता रहे हैं क्योंकि ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी फिल्म के अनाउंसमेंट से जुड़े म्यूजिक को इतना जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है।

डिजिटल युग में, फिल्म की शुरुआत से ही दर्शकों को प्रभावित करना बेहद जरूरी हो गया है। इस लिहाज से, एए23 टीम ने बखूबी सफलता हासिल की है। इसके अलावा, लोकेश कनगराज के ब्रीम प्रोजेक्ट के रूप में वर्णित इस फिल्म के बारे में चल रही चर्चा भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ा रही है, क्योंकि यह एक विशेष कहानी पर आधारित है।

इस बड़े बजट की फिल्म का निर्माण मशहूर प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स कर रहा है। प्रशंसक पहले से ही यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि अल्लू अर्जुन की अखिल भारतीय लोकप्रियता और लोकेश कनगराज के एक्शन का संगम कैसा जादू बिखेरेगा। शूटिंग शुरू होने से पहले ही जो दीवानगी देखने को मिल रही है, उससे साफ पता चलता है कि आने वाले दिनों में यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितनी धूम मचाने वाली है।

मनोज मांचू की डेविड रेड्डी की पहली झलक आई सामने, एक्शन अवतार में दिखे अभिनेताय ऐसी होगी फिल्म की कहानी

तेजा सज्जा की फिल्म मिराय में विलेन की भूमिका निभाने वाले अभिनेता मनोज मांचू अब नई एक्शन पैक्ड फिल्म लेकर आ रहे हैं। उनकी आगामी पैन इंडिया फिल्म श्डेविड रेड्डीच की शूटिंग शुरू हो गई है। अब फिल्म की हिंदी झलक भी सामने आई है। जानिए क्या है फिल्म

की कहानी... 2 मिनट 39 सेकंड के इस वीडियो में जमकर एक्शन देखने को मिलता है। फिल्म की कहानी 1897 से 1922 के समय पर आधारित है। इसलिए इसकी पहली झलक में भी सुभाष चंद्र बोस और ब्रिटिश साम्राज्य के बारे में सुनने को मिलता है। फर्स्ट ग्लिप्स में दिखाया गया है कि कैसे अंग्रेजों से मुकाबला करने के लिए एक फैक्ट्री में हथियार बनाए जा रहे हैं। इस अनाउंसमेंट वीडियो में दिखाया गया है कि जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार के बाद अंग्रेजों के खिलाफ भारतीयों में गुस्सा था। इन्हीं से मुकाबला करने के लिए डेविड रेड्डी नाम के एक व्यक्ति ने खुद हथियार बनाने की ठानी। फिल्म में मनोज मांचू को फुल एक्शन हीरो के अवतार में दिखाया गया है। फिलहाल अभी सिर्फ फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। हनुमा रेड्डी यक्कंती द्वारा निर्देशित यह एक्शन पैक्ड फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी। फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की पहली झलक देखने के बाद फैंस अब मनोज मांचू को इस अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं। मनोज मांचू इससे पहले तेजा सज्जा की मायथोलॉजिकल–सुपरनेचुरल फिल्म मिराय में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने निगेटिव भूमिका निभाई थी। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली–जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। अब मनोज मांचू अपनी मुख्य भूमिका वाली इस एक्शन फिल्म को लेकर तैयार हैं।

एक खूबसूरत प्रेम कहानी से कहीं ज्यादा है दो दीवाने सहर में- संदीपा धर

संजय लीला भंसाली के बैनर तले रोमांटिक ड्रामा दो दीवाने सहर में का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों, भावनात्मक उलझनों और आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में प्यार की बदलती परिभाषाओं को संवेदनशील तरीके से पेश करती है, जो एक साथ निजी भी हो और बेहद रिलेटेबल भी। ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों में चर्चा का विषय बन गया है। यह फिल्म मुंबई की चमक–दमक वाली जिंदगी में दो ऐसे लोगों की कहानी बताती है जो अपनी कमियों से जूझते हुए प्यार ढूंढते हैं। ट्रेलर में संदीपा धर की छोटी लेकिन प्रभावशाली एंट्री ने खासा ध्यान खींचा है। भले ही उनका स्क्रीन टाइम कम हो, लेकिन हर फ्रेम में उनका कॉन्फिडेंस और मजबूत प्रेजेंस साफ दिखता है। एक सीन में अभिनेत्री हरे रंग की खूबसूरत ड्रेस में और दूसरे में सिंपल–एलीगेंट लुक में नजर आ रही हैं। संदीपा ने अपने स्क्रीन प्रेजेंस से उत्सुकता का तड़का लगाया है।

उनकी मौजूदगी फिल्म के अर्बन और रोमांटिक मूड के साथ अच्छी तरह घुलमिल गई है। उनकी संयमित और सधी हुई एक्टिंग से लगता है कि संदीपा का किरदार भावनात्मक गहराई वाला है, जो फिल्म में आगे चलकर खुलकर सामने आएगा। संजय लीला भंसाली जैसे बड़े फिल्ममेकर के साथ काम करना संदीपा के करियर का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अब तक ऐसे रोल चुने हैं, जो उन्हें एक बेहतर एक्ट्रेस के रूप में आगे ले जाते हैं। इसी कड़ी में दो दीवाने सहर मेंच से उनका जुड़ाव कंटेंट–ड्रिवन और लेयर्ड सिनेमा की ओर उनके सोच–समझकर किए गए कदम को दर्शाता है। संदीपा ने फिल्म को लेकर कहा, फिल्म दो दीवाने सहर में का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। मृणाल, मेरी रोशनी, तुम्हारी परफॉर्मेंस में इतनी ईमानदारी और संवेदनशीलता है कि कई बार मैं भूल जाती थी कि तुम अभिनय कर रही हो। वहीं, रवि उदय सर, आप पलों को ऐसे कैद करते हैं कि मैं उन्हें महसूस करती हूं। अभिरूचि आनंद और पूरी टीम को शुक्रिया। हालांकि, फिल्म में संदीपा के किरदार से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखा गया है, लेकिन ट्रेलर देखकर पता चलता है कि फिल्म में अभिनेत्री को एक फ्रेश, कॉन्फिडेंट और खूबसूरत अंदाज में देखा जाएगा।

मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष की डकैत का टीजर रिलीज, अनुराग कश्यप का दिखा दमदार अंदाज

मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष स्टारर मच अवेटेड श्डकैत्य का टीजर आज रिलीज हो गया है। फैंस फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और टीजर देखने के बाद फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। टीजर से फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में पता चलता है।डकैत का टीजर तो रिलीज हो गया है, लेकिन अभी ये टीजर सिर्फ श्तेलुगुच्च में रिलीज किया गया है। यानी हिंदी दर्शकों को अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। 1 मिनट 31 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत आदिवी शेष से होती है। टीजर में पहले लव स्टोरी देखने को मिलती है, जो धीरे–धीरे एक्शन पर पहुंच जाती है। टीजर में आदिवी शेष लवर बॉय से लेकर एक्शन हीरो तक के अवतार में दिखते हैं। जबकि मृणाल ठाकुर

एक बार फिर सुंदर लगी हैं। इसके अलावा टीजर में फिल्म की बाकी कास्ट अनुराग कश्यप, प्रकाश राज और अतुल कुलकर्णी की भी झलक दिखती है। टीजर का अंत अनुराग कश्यप पर होता है, जो फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे।शनिल देव द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। 19 मार्च को श्धुरंधरच्च का पार्ट 2 और यश की श्टॉक्सिकच्च भी रिलीज होनी है। ऐसे में श्डकैत्यच्च की टक्कर दो बड़ी फिल्मों से होनी है। अब देखना ये है कि आने वाले वक्त में इनमें से किसी फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ती है या नहीं। फिलहाल तो 19 मार्च को बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ा क्लैश होने की संभावना है।

सनम तेरी कसम 2 का बनना तय, फैंस को फिर दिखेगी हर्षवर्धन राणे की दीवानगी

हर्षवर्धन राणे और पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा होकेन की फिल्म सनम तेरी कसम 2016 में रिलीज हुई थी जिसने लोगों की मिली–जुली प्रतिक्रिया हासिल की। 2025 में जब इसे दोबारा रिलीज किया गया तो इसने लोगों तहलका ही मचा दिया। सिर्फ 3 दिनों में करीब 15 करोड़ से ज्यादा कारोबार कर लिया। फैंस बेसब्री से इसके सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं जिसके बनने की खबरें कई बार आईं, लेकिन निर्माता दीपक मुकुट ने सीक्वल की पुष्टि कर दी है।सनम तेरी कसम 2 के 10 साल पूरे होने पर निर्माता ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मुझे बचपन से फिल्म निर्माण में दिलचस्पी रही है। सबसे ज्यादा मुझे इस बात ने आकर्षित किया कि मैं एक निर्माता बनकर इसे साकार करने में मदद कर सकूं। सनम तेरी कसम के साथ मेरा यह सपना साकार हुआ। ईश्वर की कृपा, माता–पिता के आशीर्वाद से फिल्म रिलीज को 1 दशक पूरा हुआ, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। इसका एक रीबूट आने वाला है।दीपक ने पोस्ट के जरिए सनम तेरी कसम की पूरी टीम को धन्यवाद दिया।

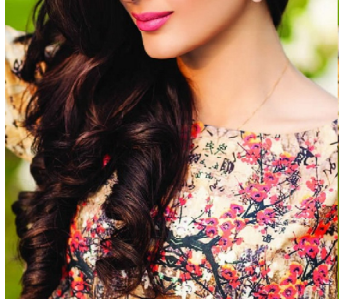

इशिका तोरिया को मिला बड़ा मौका, वर्ल्डवाइड रिकाईस ने किया साइन

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की अभिनेत्री और मॉडल इशिका तोरिया ने अपने करियर के सफर में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्हें इंडस्ट्री की जानी–मानी म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी ने एक्सक्लूसिव तौर पर साइन किया है। यह

कदम उनके करियर के लिए बेहद अहम है। यह साइनिंग उनके लिए और कंपनी दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है। इशिका तोरिया ने अपने करियर की शुरुआत साल 2015 में एक बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने धीरे–धीरे इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई और गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी अलग छाप छोड़ी। इशिका ने दो गुजराती फिल्मों– लव नो भवाड़ो और 3 चक्करम में अभिनय किया। इसके अलावा, उन्होंने 80 से ज्यादा गुजराती म्यूजिक वीडियोज में काम किया और कुछ पंजाबी गानों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।अलग–अलग क्षेत्रों के काम ने उन्हें इंडस्ट्री में लोकप्रियता दिलाई। इशिका केवल फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज तक सीमित नहीं रही। वह कई रैंप शोज और फैशन इवेंट्स का हिस्सा रह चुकी हैं, जहां उनके स्टाइल को लोगों ने काफी सराहा। उनके पास कला और फैशन दोनों का शानदार अनुभव है। इसी अनुभव के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। इशिका के अनुभव और मेहनत को देखते हुए वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के एमडी रत्नाकर कुमार ने कहा, इशिका तोरिया में टैलेंट, मेहनत और स्क्रीन प्रेजेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। उन्होंने कम उम्र में इंडस्ट्री में लंबा सफर तय किया है। हमें पूरा भरोसा है कि वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के बैनर तले वह और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स करेंगी और दर्शकों को पसंद आएंगी। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के साथ इस नई साझेदारी पर इशिका ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा, वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स जैसी बड़ी और प्रतिष्ठित म्यूजिक कंपनी के साथ एक्सक्लूसिव तौर पर जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं रत्नाकर कुमार सर का दिल से धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। आने वाले समय में मैं दर्शकों के लिए कुछ खास और यादगार काम लेकर आऊंगी।

स्वयंभू के मेकर्स का बड़ा ऐलान! निकिल सिद्धार्थ स्टारर फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन टेक्निशियन और क्रिएटर्स डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी, केजीएफ और सलार के म्यूजिक डायरेक्टर रवि बसरूर, बाहुबली और आरआरआर के सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंटिल कुमार, बाहुबली के एडिटर तम्मिराजू और कई अन्य प्रतिभाशाली कलाकार, सब मिलकर इस बड़ी फिल्म को बना रहे हैं, जिसकी शूटिंग 170 दिनों तक चली। फिल्म को पिक्सल स्टूडियोज के भूवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है!दिन की सबसे बड़े ऐलान का वक्त आ गया है, क्योंकि कार्तिकेय फ्रेंचाइज के पीछे चेहरा रहे निखिल सिद्धार्थ अब एक अलग ही अंदाज की ऐतिहासिक महागाथा स्वयंभू के साथ लौट रहे हैं। हम देखते हैं कि वो बिल्कुल शानदार और भव्य अंदाज में नजर आ रहे हैं, और फिल्म का ऐलान भी एक रैप–अप वीडियो के जरिए किया गया है, जो किसी प्रोजेक्ट को पेश करने का सच में अनोखा तरीका है। इसमें फिल्म की भव्यता, दमदार एक्शन, शानदार स्टार कास्ट और एक आम आदमी की उस महाकथा की झलक मिलती है, जो आगे बढ़कर एक योद्धा बन जाता है। निखिल, जिन्होंने पैन–इंडिया सुपरहिट कार्तिकेय 2 से पूरे देश में पहचान बनाई, अब अपनी महत्वाकांक्षी 20वीं फिल्म स्वयंभू के साथ फिर से दर्शकों को बांधने आ रहे हैं। बड़े पैमाने पर बन रही यह ऐतिहासिक एक्शन फिल्म भरत कृष्णमाचारि द्वारा निर्देशित है, और इसे भूवन और श्रीकर पिक्सेल स्टूडियोज के तहत बना रहे हैं, जबकि टैगोर मधु इसे पेश कर रहे हैं। बेहतरीन प्रोडक्शन वैल्यू और दमदार पैन–इंडिया सोच के साथ, स्वयंभू निखिल की अब तक की सबसे खास फिल्मों में से एक बन रही है।आज मेकर्स ने बड़ा अपडेट दिया है, यह बताते हुए कि इस भव्य फिल्म का शूट आधिकारिक तौर पर पूरा हो चुका है। दो साल की मेहनत और 170 दिनों की लंबी शूटिंग के बाद, टीम ने गर्व के साथ इसकी समाप्ति की घोषणा की है। भारत के समृद्ध इतिहास और उसकी अनन्त शान को सलाम करने वाली यह एपिक फिल्म स्वयंभू इस महा शिवरात्रि यानी 13 फरवरी 2026 को दुनिया भर के थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है।इस अनुभव को चुनौती भरा और रोमांचक बताते हुए, निखिल ने राइज ऑफ स्वयंभू नाम के रिलीज डेट अनाउंसमेंट वीडियो में इस सफर के बारे में बात की, जिसमें दुनिया बनाने और फिल्म के भव्य निर्माण की झलक मिलती है। जो एक फिल्म के रूप में शुरू हुआ था, वह जल्दी ही एक बड़े विश्व में बदल गया, जिसे कई एकड़ में बने विशाल सेट्स और शानदार मेहनत से तैयार किया गया। करोड़ों की लागत और प्रोड्यूसर भूवन और श्रीकर की पूरी लगन के सहारे, टीम एक ही लक्ष्य लेकर आगे बढ़ी और वो थी इस अनोखी कहानी को बड़े पर्दे पर शानदार तरीके से पेश करना।

भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी स्वयंभू उन कहानियों में जाती है जो अब तक कहीं नहीं बताई गईं, ऐसी बातें जो सिर्फ राजा–महाराजाओं और युद्धों की आम कहानियों से कहीं आगे बढ़ती हैं। इसके बीच में एक ऐसे जबरदस्त योद्धा की गाथा है, जिसकी बहादुरी ने एक पूरा समय बदल दिया।

वीडियो में निखिल अपने घोड़े मारुति को भी दिखाते हैं और बताते हैं कि उनकी बड़ी फिल्म बनाने में किस शानदार टीम ने मेहनत की है। इस मुश्किल रोल को असली तरह से निभाने के लिए निखिल ने अपने शरीर में बड़ा बदलाव किया और खूब मेहनत वाली ट्रेनिंग की। उन्होंने हिंदी वजर्न में अपनी आवाज भी खुद ही दी, ताकि कहानी और भी सच जैसी लगे।

फिल्म में साम्युक्था और नाभा नटेश फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। कैमरा का काम विजुअल मास्टर केके सेंथिल कुमार ने संभाला है, जो बाहुबली, आरआरआर जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर चुके हैं। संगीत का जिम्मा रवि बस्रूर ने लिया है, जो केजीएफ और सालार के लिए भी म्यूजिक बना चुके हैं। प्रोडक्शन डिजाइन एम. प्रभाहरण और रवींद्रा ने किया है, जिन्होंने बड़ी मेहनत से फिल्म की शानदार दुनिया तैयार की है।

अब जब फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है, स्वयंभू का सफर शुरू हो गया है, और इस तरह से पैन–इंडिया फिल्म के लिए लोगों की उत्सुकता तेजी से बढ़ रही है।

बाक्स आफिस पर बार्डर 2 का प्रदर्शन जारी, मर्दानी 3 का 7वें दिन निकला दम

सनी देओल की युद्ध ड्रामा फिल्म बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिर पर अपना पूरा जोर लगाती दिख रही है। यह भारत में 300 करोड़ के क्लब में शामिल होने के बेहद करीब पहुंच चुकी है। इसी के साथ सिनेमाघरों में रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 भी लगी हुई है, जो कछुए की चाल चलते–चलते अपना दम तोड़ने के बेहद करीब है। दोनों ही फिल्मों की ताजा कमाई के आंकड़े आ गए हैं। यहां जानिए किसने कितनी कमाई की है।सनी की फिल्म गदर 2 ने 300 करोड़ के क्लब में जगह बनाई थी, और अब उनकी हालिया रिलीज फिल्म बॉर्डर 2 यह कारनामा दिखाने के बेहद करीब है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने 14वें दिन 3.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया है जिसके बाद भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल कमाई 294.25 करोड़ रुपये हो चुकी है। फिल्म की कहानी 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है जिसमें वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ भी अहम किरदार में हैं।उधर 30 जनवरी को रिलीज फिल्म मर्दानी 3 एक हफ्ता भी खुद को संभाल नहीं पाई। कमाई धड़ाम से नीचे आ गई है। इसने 7वें दिन, यानी गुरुवार को महज 1.85 करोड़ कमाए हैं, जो छठे दिन 2.1 करोड़ रुपये के मुकाबले कम हैं। कुल मिलाकर रानी की फिल्म ने अब तक का सबसे कम कारोबार किया है जिसके बाद कुल कमाई 26.30 करोड़ रुपये हुई है।

पीठ दर्द और कंधों की जकडन से हैं परेशान? उत्तानमंडूकासन से पाए आराम

लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप पर काम करना, गलत पॉश्चर में बैठना और तनाव भरी दिनचर्या शरीर को धीरे–धीरे थका देती है। ऐसे में गर्दन के दर्द, कंधों की जकडन या पीठ में खिंचाव जैसी परेशानियां बढने लगती हैं। अगर आप भी इस तरह की किसी समस्या से परेशान हैं तो आपको नियमित रूप से उत्तानमंडूकासन करना चाहिए। योग केवल कुछ आसन करने का नाम नहीं है, बल्कि यह जीने की एक कला है, जो हमें अपने शरीर और मन दोनों के साथ संतुलन बनाना सिखाती है। नित्य योग के साथ अगर आप अपनी दिनचर्या को थोड़ा सा अनुशासित कर लें तो इसका असर बहुत जल्दी महसूस होने लगता है। अगर आप अपने रोजाना के व्यायाम में उत्तानमंडूकासन को शामिल करते हैं तो यह न सिर्फ शरीर को राहत देता है बल्कि अंदर से नई ऊर्जा भी भर देता है। उत्तानमंडूकासन खास तौर पर पीठ दर्द से जूझ रहे लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है,।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।